सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 292 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 05 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

अभी सस्ता लोन नहीं, ईएमआई भी नहीं घटेगी

नई दिल्ली। आरबीआई ने ब्याज दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसके मायने हैं कि नए लोन की तरह मौजूदा लोन और ईएमआई भी सस्ती नहीं होंगी। रिजर्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी, की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 5 अगस्त को बताया कि दुनियाभर में जारी उठापटक की वजह से महंगाई बढ़ी है। इसके चलते फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

महाभारत के अश्वत्थामा प्रदीप रावत का निधन

मुंबई। महाभारत में अश्वत्थामा का किरदार निभाने वाले प्रदीप रावत का निधन हो गया। लगान और गजनी समेत कई फिल्मों में नजर आने वाले प्रदीप रावत का 74 साल की उम्र में मंगलवार शाम को निधन हो गया। एक्टर कैंसर से पीड़ित थे। उन्हें यह बीमारी दोबारा लौट आई थी। पिछले एक महीने से उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था।

बिहार से झारखण्ड की ओर चली 'गंगा', कोसी भी खिसकी

पटना। बिहार के खेतों और लोगों को जीवन देने वाली गंगा नदी के रास्ते में बड़ा बदलाव आया है। यही बात कोसी नदी के साथ भी देखी गई है। 1994 से 2024 के बीच गंगा नदी धीरे-धीरे झारखंड की सीमा यानी दक्षिण की ओर खिसक गई है। अब इसकी रेंज में भागलपुर शहर आ गया है। वहीं कोसी नदी का प्रवाह या बदलाव तेजी के साथ पश्चिम दिशा की तरफ जा रहा है। डर है कि आगे इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो बाढ़, कटाव और उपजाऊ कृषि भूमि की बर्बादी का सामना करना पड़ा।

वांगचुक की सलाह पर देवेन्द्र महतो ने तोड़ा अनशन

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग और कई अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के विरोध में भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो ने अपना अनशन तोड़ दिया है। उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से फोन पर लाइव बातचीत के बाद अपना अनशन तोड़ा। महतो ने कहा, हम 25 जुलाई से सत्याग्रह कर रहे हैं। मैंने 2 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। मैं बहुत ज्यादा थक चुका था और स्थिति गंभीर हो गई थी। यहां 26 साल से पेपर लीक हो रहे हैं।

कावेरी जल विवाद के बीच कर्नाटक के किसानों को राहत

चेन्नई/बेंगलुरु। कावेरी जल विवाद को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु की सरकारें आमने सामने है। कावेरी नदी के पानी को लेकर तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वहीं कर्नाटक सरकार भी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अपने पक्ष रखने की तैयारी कर रही है। इस बीच तमिलनाडु के किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। कर्नाटक में भारी बारिश के चलते काबिनी और कृष्ण राज सागर जलाशय भर गए है। इसके चलते इन दोनों जलाशयों को पानी छोड़ दिया गया। छोड़े गए पानी का बहाव मंगलवार तड़के बिलिगुंड्लु पहुंचना शुरू हो गया।

व्यापक जनहित के बिना किसी की निजी जानकारी सार्वजनिक करना निजता का हनन

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 और निजता के अधिकार को लेकर अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की सिंगल बेंच ने कहा कि, किसी व्यक्ति की निजी जानकारी जैसे मैरिज रजिस्ट्रेशन आवेदन, जन्मतिथि, पहचान पत्र या अन्य निजी दस्तावेज आरटीआई के तहत तीसरे पक्ष को नहीं दिए जा सकते, जब तक उसमें कोई बड़ा जनहित जुड़ा न हो।

कोर्ट ने कहा कि आरटीआई अधिनियम का उद्देश्य पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन है, लेकिन धारा 8(1) (ज) के तहत व्यक्तिगत निजता की सुरक्षा का भी स्पष्ट प्रावधान है। दरअसल मामला अंबिकापुर निवासी डीके सोनी की याचिका से जुड़ा है। उन्होंने विवाह पंजीयन से संबंधित

दस्तावेज, आवेदन, आदेश और इश्तहार की प्रमाणित प्रतियां आरटीआई के तहत मांगी थीं। जन सूचना अधिकारी और प्रथम अपीलीय अधिकारी ने जानकारी देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सोनी हाईकोर्ट पहुंचे। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि, व्यापक जनहित के बिना किसी व्यक्ति की निजी जानकारी सार्वजनिक करना उसकी निजता पर हमला होगा। कोर्ट ने इस आधार पर दोनों याचिकाएं खारिज कर दीं।

हाईकोर्ट ने दिया निर्देश

सूचना आयोग राज्य की अंतिम अपीलीय संस्था है और उसका दायित्व केवल प्रक्रियात्मक कमियों पर टिप्पणी करना नहीं, बल्कि यह तय करना भी है कि मांगी गई जानकारी कानून के तहत दी जा सकती है या धारा 8 के तहत छूट प्राप्त है। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनकर 90 दिनों के भीतर आदेश पारित करने का निर्देश दिया।

भिलाई बचाओ पदयात्रा पहुंची रायपुर

पैदल भिलाई से रायपुर पहुंचे कांग्रेसी, स्मार्ट मीटर बदलने के लिए बांटेंगे फार्म, बीएसपी के निजीकरण का मुद्दा शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई-रायपुर। भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) के निजीकरण, रोजगार और टाउनशिप से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने 'भिलाई बचाओ पदयात्रा' निकाली है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भिलाई से टाटीबंध पहुंचे हैं, जहां से वे रायपुर पहुंचकर राजभवन जाएंगे।

कार्यक्रम के तहत सुबह 10 बजे कांग्रेस कार्यकर्ता टाटीबंध स्थित भारत माता स्कूल के पास पहुंचे। यहां से पदयात्रा कांग्रेस कार्यालय की ओर निकली। इसके बाद शंकर नगर स्थित राजीव भवन और गांधी मैदान स्थित कांग्रेस भवन में शहीद महेंद्र कर्मा की

जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित है।

कांग्रेस का कहना है कि सरकार की कथित लापरवाही, अनियमितताओं और लोगों के शोषण के विरोध में ये यात्रा निकाली जा रही है। पार्टी के अनुसार, इस यात्रा का मकसद भिलाई स्टील प्लांट से जुड़े हजारों कर्मचारियों, स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है। इसके साथ ही पदयात्रा के दौरान स्मार्ट मीटर बदलवाने से जुड़े फॉर्म भी लोगों को बांटे जाएंगे।

इन स्थलों पर बांटेंगे फार्म

शाम 5 बजे पंडित जवाहरलाल नेहरू ब्लॉक के मदर टेरेसा वार्ड क्रमांक-47 स्थित श्याम नगर श्रीकृष्ण मंदिर परिसर में मीटर बदलने के फार्म बांटे जाएंगे। इसके बाद 5:30 बजे लेफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित ब्लॉक के भगवती चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक-57 स्थित अरविंद नगर में आयोजित किया जाएगा। यहां लोगों को आवेदन फॉर्म उपलब्ध कराए जाएंगे।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आया गायों का झुण्ड, 9 की मौके पर मौत

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बीती रात एक अज्ञात वाहन की चपेट में आकर 9 गौवंश की मौत हो गई। एक बछड़ा घायल हो गया जिसे छतौना गौ सेवा धाम पहुंचाया गया जहां उसका इलाज किया जा रहा है। घटना को लेकर इलाके में तीव्र आक्रोश व्याप्त है।

मिली जानकारी के अनुसार, बिलासपुर के रतनपुर रोड स्थित गतौरी के पास देर रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क पर मौजूद गौवंशों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि, 10 गौवंश इसकी चपेट में आ गए। इनमें से 9 गौवंशों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बछड़ा गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और गौसेवक मौके पर पहुंचे। घायल बछड़े को तत्काल छतौना स्थित गौ सेवा धाम पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस की टीम

इस दर्दनाक हादसे के बाद गौसेवकों और स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि, अज्ञात वाहन चालक की जल्द से जल्द पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। वहीं कुछ लोगों ने इस घटना के लिए पशुपालकों को जिम्मेदार ठहराया जिनकी लापरवाही का खामियाजा मूक जानवरों को भुगतना पड़ता है।

उफनती नदी को तैरकर पार करने की कोशिश में अधेड़ किसान ने गंवाई जान

श्रीकंचनपथ समाचार

अंबिकापुर। दरिमा थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में 55 वर्षीय ग्रामीण की डूबने से मौत हो गई। खेती का काम खत्म कर घर लौट रहे ग्रामीण ने तैरकर घुनघुट्टा नदी पार करने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव और गहरे पानी के कारण वह डूब गया।

मृतक की पहचान दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम सनबरसा निवासी बंधु राम (55 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह खेत से काम खत्म कर घर लौट रहा था। इसी दौरान उसने तैरकर नदी पार करने का प्रयास किया, लेकिन बीच धारा में संतुलन बिगड़ने से वह पानी में समा गया।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे, स्थानीय लोगों ने कई घंटे तक खोजबीन की, जिसके बाद शव को पानी से बाहर निकाला गया। नदी का बहाव अत्यंत तेज था जिसके कारण उसमें किसी का भी तैरना लगभग नामुमकिन था।

सूचना मिलते ही दरिमा पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पूरे मामले की जांच शुरु कर दी है।

लाल सागर में भारतीय जहाज पर हमला, सभी 14 नाविक सुरक्षित

नई दिल्ली (ए.)। लाल सागर में यमन के तट के पास मंगलवार को भारतीय ध्वज वाले मालवाहक जहाज एमएसवी फैज नूर ओलिया पर हमला हुआ, जिसके बाद यह पलटकर डूब गया। इस हमले को लेकर केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि जहाज पर सवार सभी 14 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। इनमें 13 भारतीय नागरिक शामिल हैं।

भारत सरकार ने इस हमले की कड़ी निंदा की। सोनोवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में

कहा कि भारत ने बिना किसी उकसावे के 'एमएसवी फैज नूर ओलीया' पर किए गए इस हमले की कड़ी निंदा की है। सरकार ने लाल सागर क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों पर चिंता भी जताई।

यमन तटरक्षकों ने क्रू मेंबर्स को किया रेस्क्यू

मंत्री सोनोवाल ने बताया कि चालक दल के सभी सदस्यों को यमन के तटरक्षक बल ने रेस्क्यू किया और उन्हें मोखा पोर्ट लाया गया। उन्होंने कहा कि डायरेक्टर जनरल ऑफ शिपिंग को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी संबंधित एजेंसियों के साथ तालमेल कर क्षेत्र में भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाएं तथा उन्हें भारत भेजने की पहल करें।

स्थिति पर भारतीय दूतावास की नजर

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि रियाद स्थित भारतीय दूतावास स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। साथ ही चालक दल की सुरक्षा के लिए यमनी अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है। मंत्रालय ने नाविकों की मदद के लिए यमनी अधिकारियों का धन्यवाद भी किया। नाविकों को जल्द भारत लाया जाएगा।

संसद के बाहर चढ़ावा चोरी, लाठी चार्ज के विरोध में प्रदर्शन

रिजिजू ने राहुल-प्रियंका के साथ बैठक की; हंगामे के बाद दोनों सदन स्थगित

नई दिल्ली (ए.)। विपक्षी सांसदों ने बुधवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला।

विपक्षी सांसद 20 जुलाई को जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज और राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार को घेर रहे हैं। उनकी मांग है कि गृह मंत्री अमित शाह संसद में आकर जवाब दें।

इधर विपक्ष का बुधवार को भी संसद में पीएम और शाह के बयान की मांग हंगामा जारी

रहा। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू होने के बाद एक मिनट में 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

वहीं राज्यसभा भी पहले 12 बजे तक और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन में चर्चा को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ परिसीमन विधेयक को लेकर करीब 50 मिनट बैठक की। संसद के मानसून सत्र में अब तक 8 में से 3 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। सरकार बाकी पांच बिलों को दोनों सदनों से पास कराने की तैयारी में है।

पीएम मोदी ने अपने आवास पर 37 बीजेपी सांसदों के साथ ब्रेकफास्ट बैठक की। इसमें बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं के साथ सहयोगी दलों के कुछ सांसद भी शामिल रहे।

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा- ई20 फ्यूल इंजन को नुकसान पहुंचा रहा है, और गाड़ी के माइलेज पर भी असर पड़ रहा है।

स्वच्छ बिजली के क्षेत्र में एनपीसीआईएल की बड़ी उपलब्धि

हजार बिलियन यूनिट परमाणु ऊर्जा का रिकार्ड उत्पादन

नई दिल्ली (ए.)। भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने कमर्शियल ऑपरेशन शुरू होने के बाद से अब तक कुल 1,000 बिलियन यूनिट से अधिक परमाणु बिजली का उत्पादन किया है। एनपीसीआईएल ने एक्स पर यह जानकारी शेयर करते हुए कहा कि यह उपलब्धि देश की स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

इस बिजली उत्पादन की बदौलत वातावरण में 860 मिलियन टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर उत्सर्जन को रोका जा सका है। परमाणु ऊर्जा को कम कार्बन उत्सर्जन वाला भरोसेमंद ऊर्जा स्रोत माना जाता है, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

860 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड

उत्सर्जन को रोकने का अर्थ यह है कि लगभग 187 मिलियन पेट्रोल और डीजल से चलने वाली कारों को पूरे एक वर्ष के लिए सड़कों से हटाने के बराबर प्रदूषण कम हुआ है। एक सामान्य पैसेंजर कार औसतन हर साल करीब 4.6 मीट्रिक टन सीओ-2 का उत्सर्जन करती है। यह उत्सर्जन जर्मनी या जापान जैसे बड़े औद्योगिक देशों के एक वर्ष के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लगभग बराबर है।

2047 तक 100 गीगावाट उत्पादन का लक्ष्य

केंद्र सरकार ने वर्ष 2047 तक देश की परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 100 गीगावाट तक पहुंचाने का रोडमैप तैयार किया है। इस लक्ष्य की घोषणा बजट 2025-26 में 'न्यूक्लियर एनर्जी मिशन' के तहत की गई थी। सरकार का उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के हिस्से को बढ़ाना है।

ऊर्जा मिश्रण में बढ़ेगा हिस्सा

सरकार का मानना है कि परमाणु ऊर्जा से देश के ऊर्जा मिश्रण (एनर्जी मिक्स) में भरोसेमंद और कम कार्बन उत्सर्जन वाली बेस-लोड बिजली की हिस्सेदारी बढ़ेगी। इससे कोयले पर निर्भरता कम करने और लगातार बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी।

नेट-जीरो लक्ष्य को फायदा

परमाणु ऊर्जा क्षमता का विस्तार भारत के 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएगा। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ने से आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने में भी मदद मिलेगी।

संपादकीय

जन्म-मृत्यु पंजीकरण

सुरक्षा उपाय नागरिकों की मुश्किलें न बनें

यह जरूरी है कि देश में जन्म व मृत्यु से जुड़े आंकड़े प्रामाणिक हों और समय रहते दर्ज कर लिए जाएं। इससे जनसंख्या गणना, मतदाता की विश्वसनीयता और अंततः विकास योजनाओं के लिये विश्वसनीय आंकड़े जुटा पाना संभव होता है। वहीं दूसरी ओर अवैध घुसपैठियों और विदेशी नागरिकों की पहचान भी संभव हो पाती है। जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी है। इसी आलोक में संसद द्वारा हाल ही में 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण(संशोधन) विधेयक' को पारित करना, देश की नागरिक पंजीकरण प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, यह संशोधन सुनिश्चित करता है कि जन्म व मृत्यु का पंजीकरण समय रहते कर लिया जाए। यह कानून देर से होने वाले पंजीकरण के लिए सख्त नियम लागू करता है। नये संशोधन के तहत, जन्म व मृत्यु के दो साल बाद रिपोर्ट किए गए मामलों में मौजूदा कार्यकारी मंजूरी की जगह अब प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होगी। निस्संदेह, फर्जी पंजीकरण को रोकने की दिशा में सरकार का उद्देश्य सराहनीय है, लेकिन यह संशोधन लोगों की पहुंच और समावेशिता के बाबत कई महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है। निस्संदेह, आज देश ने सिविल रजिस्ट्रेशन यानी जन्म-मृत्यु पंजीकरण के मामलों में बहुत अच्छी प्रगति की है। आज देश में 99 फीसदी से अधिक जन्म और मृत्यु का रिकॉर्ड रखा जाता है। दरअसल, देश में बड़ी चुनौती सिर्फ रजिस्ट्रेशन की ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि जन्म व मृत्यु होने पर 21 दिन के भीतर सूचना दर्ज कर ली जाए। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि प्रक्रियागत बाधाएं बढ़ाने की बजाय, समय पर रिपोर्टिंग करने को सहज व सरल बनाया जाए। लोगों को इस बाबत जागरूक करने की भी जरूरत है। साथ ही मौजूदा नियमों को सख्ती से लागू करने से अधिक नीतिगत मामलों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। सरकार का दावा है कि न्यायिक जांच से पंजीकरण में होने वाली गड़बड़ियों पर रोक लगायी जा सकेगी।

> "इसी आलोक में संसद द्वारा हाल ही में 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण(संशोधन) विधेयक' को पारित करना, देश की नागरिक पंजीकरण प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, यह संशोधन सुनिश्चित करता है कि जन्म व मृत्यु का पंजीकरण समय रहते कर लिया जाए। यह कानून देर से होने वाले पंजीकरण के लिए सख्त नियम लागू करता है। नये संशोधन के तहत, जन्म व मृत्यु के दो साल बाद रिपोर्ट किए गए मामलों में मौजूदा कार्यकारी मंजूरी की जगह अब प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होगी।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष 2023 संशोधनों के तहत कई सरकारी सेवाओं के लिये जन्म प्रमाण पत्र पहचान का मुख्य दस्तावेज बन गया है। हालांकि, इस बाबत दो साल की समय-सीमा चुनने के पीछे की वजह को तार्किक आधार पर नहीं बताया गया है। वहीं कई ऐसे वाजिब कारण हैं जिसके चलते पंजीकरण देर से होता है। उदाहरण के लिये लें तो दूरदराज के इलाकों में जन्म, पलायन और जागरूकता की कमी के कारण भी जन्म-मृत्यु के पंजीकरण में विलंब होता है। लेकिन अब नये कानून से प्रभावित परिवारों के लिये खर्च और देरी, दोनों ही बढ़ सकते हैं। यह विडंबना ही है कि यह बिल संसद के दोनों सदनों में जारी लगातार हंगामे के बीच पास हुआ। जिसकी वजह से इस महत्वपूर्ण बिल पर कोई सार्थक बहस नहीं हो सकी। वास्तव में होना तो यह चाहिए था कि हर नागरिक की कानूनी पहचान को प्रभावित करने वाले कानून की गहनता से पड़ताल की जाती। जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष को बराबर की जिम्मेदारी निभानी चाहिए थी। निस्संदेह, कुशल प्रशासन में कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंचने और चुनावी ईमानदारी के लिये एक मजबूत व पारदर्शी नागरिक पंजीकरण प्रणाली अपरिहार्य ही है। वास्तव में इस संशोधन की प्रभावशीलता को सिर्फ धोखाधड़ी रोकने की क्षमता से नहीं देखा जाना चाहिए। सावधानी इस बात को लेकर भी की जानी चाहिए कि कोई भी वास्तविक नागरिक कानूनी पहचान से वंचित न रह जाए। दूसरे शब्दों में कहें तो सुरक्षा उपाय नागरिकों की पहुंच में बाधा नहीं बनने चाहिए। सही मायने में अच्छी गवर्नेंस, प्रशासनिक ईमानदारी और लोगों के अधिकारों, दोनों को ही सुरक्षित रखने में है। यह जरूरी है कि लोग समय पर जन्म व मृत्यु की सूचना का पंजीकरण कराएं, लेकिन इसे दर्ज करने की प्रक्रिया सहज-सरल होनी चाहिए। जिसके लिए लोगों को जागरूक करने की भी जरूरत है। साथ ही अपरिहार्य कारणों से हुए विलंब पर सख्ती करने के बजाय सुधारात्मक प्रयासों को तरजीह दी जानी चाहिए।

जंतर-मंतर पर सुरक्षा तैयारी में चूक के सबक

गुरबचन जगत

किसी विरोध-प्रदर्शन से निपटने के लिए प्रशासन व पुलिस एक तय प्रक्रिया के मुताबिक योजना बनाते हैं। गत 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में भीड़ के आकार और प्रतिक्रिया का आकलन करने में चूक हुई, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी। दरअसल, पुलिस व्यवस्था में प्रशिक्षण, अनुशासन और स्थापित नियमों की अनदेखी ऐसी घटनाओं को जन्म देती है।

मैंने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हो रही कुछ गतिविधियों को देखा। प्रदर्शनकारियों की भीड़ बहुत बड़ी थी और उसकी तुलना में कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिस बल नाकाफी लग रहे थे। एक विशाल और अराजक भीड़ और कम संख्या में पुलिसवाले होना स्थिति बेकाबू बनने में आवश्यक घटक होते हैं। जब मैं इस बारे में विचार करता हूं, तो यह स्पष्ट है कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' के बुलावे पर लोगों की प्रतिक्रिया का अंदाज़ा लगाने में भारी गलती हुई, नतीजन सुरक्षा बलों की प्रतिक्रिया भी पर्याप्त नहीं थी।

विगत में पीछे मुड़कर देखें तो चर्चा में 'कॉकरोच' शब्द की आमद के बाद स्थिति तेजी से बदली। बोस्टन से आए एक व्यक्ति ने संसद तक मार्च का आह्वान कर नई दिल्ली में अपने किस्म की 'टी पार्टी'(चाय पार्टी) बनाने की कोशिश की। किसी सभा या विरोध-प्रदर्शन की इजाज़त देने या न देने का फैसला मात्र पुलिस का न होकर शहर अथवा राज्य के नागरिक प्रशासन का भी होता है।

पुलिस बल राजसत्ता का एक औजार है और उसका पेशेवर व्यवहार तय कर सकता है कि स्थिति बिगड़ेगी या काबू में रहेगी। मौजूदा मामले में, अधिकारियों ने तैयारी और योजना बनाने का वक्त गंवा दिया क्योंकि उन्होंने लोगों की प्रतिक्रिया के पैमाने का सही अंदाज़ा नहीं लगाया व स्थिति एक असमान टकराव में बदल गई।

आमतौर पर, जब भी ऐसे किसी मार्च की घोषणा होती है, तो ज़मीनी स्तर पर प्रशासनिक मशीनरी अतिरिक्त सक्रिय हो जाती है। ज़िला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक तथा खुफिया एजेंसियों के अधिकारी मिलकर बैठक करते हैं, खतरे के स्तर का आकलन किया जाता है व उससे निबटने के लिए आपातकालीन योजनाएं बनाई जाती हैं। बलों की ज़रूरत का आकलन किया जाता है और लाठीचार्ज दस्ता, आंसू गैस, हथियारबंद टुकड़ियों आदि की उपलब्धता का अनुमान लगाया जाता है। अगर और ज़्यादा कर्मियों एवं सामग्री की ज़रूरत दिखे, तो जरूरी मांग की जाती है।

सूचीबद्ध किए गए इंतज़ामों की देखरेख के लिए अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं और सिर्फ उन्हीं को चुना जाता है जिनका अनुभव विगत में ऐसी स्थितियों को संभालने का साबित हो चुका हो। इसके साथ ही, कार्यकारी मजिस्ट्रेट नामित किए जाते हैं और उन्हें पुलिस अधिकारियों से संलग्न कर दिया जाता है। इलाके को सेक्टरों में बांटा जाता है और इन अधिकारियों को काम करने के निर्दिष्ट इलाके सौंप दिए जाते हैं। सभी इंतज़ामों की कुल मिलाकर निगरानी के लिए एक बहुत वरिष्ठ अधिकारी को तैनात किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऊपर बताए गए सभी उपायों का ध्यान रखा गया है। वह सभी विभागों के अधिकारियों को उद्देश्य के बारे में निर्देश देता है और आगे वे अपनी-अपनी ज़िम्मेदारी वाले इलाकों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश देते हैं।

स्थिति क्या है यह बताना और समझाना सबसे ज़रूरी है ताकि आखिरी व्यक्ति तक को खतरे और उस पर क्या प्रतिक्रिया देनी है, इसकी समझ बन जाए। बल का इस्तेमाल इस सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए कि वांछित अधिकतम परिणाम पाने के लिए न्यूनतम बल का प्रयोग करना पड़े। अधिकारियों और जवानों को यह याद रखना चाहिए कि ये हमारे ही भाई-बंधु हैं और हमें उनके साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार नहीं करना है। ज्यादा से ज्यादा परिणाम पाने के लिए कम-से-कम बल का इस्तेमाल किया जाए। पूरे अभियान की बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए।

आंसू गैस दस्ते को एक रणनीतिक जगह पर एक राजपत्रित अधिकारीकी देखरेख में अलग से तैनात किया जाना चाहिए और वह केवल उनके आदेश पर ही काम करेगा। इसी प्रकार, हथियारबंद दस्ता भी एक राजपत्रित अधिकारी की देखरेख में सुरक्षित जगह पर उपलब्ध रहे और वह केवल उनके आदेश पर ही कार्रवाई करेगा। आंसू गैस के गोले और अन्य हथियार सामान्य बलों को नहीं दिए जाएं; नियम के अनुसार उनके पास केवल लाठियां होनी चाहिए।

इंतज़ाम का एक और बहुत ज़रूरी हिस्सा कंट्रोल रूम है, जिसे ऑपरेशन वाली जगह के पास स्थापित किया जाना चाहिए और वहां चौबीसों घंटे वरिष्ठ अफसर मौजूद रहें। कंट्रोल रूम और सेक्टर इंचार्ज अफसरों के पास नवीनतम संचार उपकरण होने चाहिए और संवाद का एक असरदार चैनल बनाया जाना चाहिए।

सीनियर अफसरों को इस कंट्रोल रूम में मौजूद होना चाहिए- पुलिस और एग्जिक्यूटिव अफसर ,दोनों केवल अपने दफ्तरों तक ही सीमित नहीं रहें। एक बार जब इंतज़ाम पूरे हो जाएं, अफसरों और जवानों को स्थिति संबंधी निर्देश और जानकारी दी जाए और पूर्वाभ्यास किया जाए, वरिष्ठ अधिकारी भीड़ की संख्या और इरादों के बारे में ताज़ा जानकारी के लिए खुफिया एंजेसियों के संपर्क में रहें। अगर हो सके, तो वरिष्ठ सिविल और पुलिस अफसरों को आयोजकों से मिलना चाहिए और वे उन्हें शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से विरोध करने की अहमियत समझाएं। यह कोशिश अलग-अलग स्तरों पर की जानी चाहिए, और आमतौर पर इसके अच्छे नतीजे मिलते हैं। उस दिन, मैंने टीवी पर एक अकेले पुलिसवाले को स्पष्ट तौर पर दिशा अथवा उद्देश्य की पूरी तरह समझ के बिना आंसू गैस के गोले छोड़ते देखा। इसी तरह, प्रदर्शनकारियों के समूहों का पीछा करते हुए पुलिसवाले तरह-तरह की लाठियों और डंडों से लैस होकर दौड़ रहे थे। वे एक या दो प्रदर्शनकारियों को पकड़ लेते और उनकी पिटाई करने लगते।

वर्दीधारी फ़ोर्स की कार्रवाई एक व्यवस्थित प्रयास होना चाहिए; लाठीचार्ज जवानों के एक दस्ते द्वारा होना चाहिए और इस प्रकार कि भीड़ को तितर-बितर करने में असरदार हो सके। बिना सोचे-समझे, अव्यवस्थित तरीके से लाठियां भांजने से कोई सकरात्मक नतीजा नहीं मिलता- इससे केवल निर्मम बल प्रयोग के आरोप लगते हैं या सिर में चोट जैसे परिणाम रहते हैं। बल का इस्तेमाल निगरानी में किया जाना चाहिए — नियंत्रित, नपा-तुला और भीड़ को तितर-बितर करने के मकसद को पूरा करने योग्य पर्याप्त।

उद्देश्य किसी भी कीमत पर 'दुश्मन' को हराना नहीं है, क्योंकि इससे और ज़्यादा प्रतिरोध बनेगा, लोग और अधिक भड़क जाएंगे। एक बार उद्देश्य पूरा हो जाने के बाद, जवानों और सामान को व्यवस्थित तरीके से वापस बुलाया जाए। हर व्यक्ति, लाठी, आंसू गैस के गोले और गोली का हिसाब रखा जाए। घायल अफसरों और प्रदर्शनकारियों की देखभाल करें, और ज़रूरत पड़ने पर उन्हें चिन्हित अस्पतालों में ले जाया जाए।

यह विषय बहुत बड़ा है, और मैंने योजना और पहले से तयशुदा प्रक्रियाओं और नियमों का पालन करने की अहमियत को संक्षेप में बताने की कोशिश की है। दिल्ली प्रशासन के लिए यह अच्छा होगा कि वह इस बात की अंदरूनी और गहराई से जांच करे कि क्या हुआ था और आईंदा इसे रोकने के लिए क्या किया जा सकता है। आज समस्या यह है कि निर्देश प्रक्रिया में बताए तरीकों में ज़्यादातर को नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है या उन पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। पुराने समय में अधिकारियों एवं प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा नियमित प्रशिक्षण और निरीक्षण का महत्व काफी था। सच तो यह है कि आज हमारे पुलिस बलों और असल में संपूर्ण आपराधिक न्याय व्यवस्था के आचरण में निहित संस्कृति और कामकाज के तरीके में बहुत कुछ भुला दिया गया है।

लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

हमें दुनिया को अपनी सभ्यता की बेहतर कहानी सुनानी होगी

अमिताभ कांत

मुझे दुनिया की विभिन्न सभ्यताओं से जुड़े महानतम संग्रहालयों को देखने का मौका मिला है। हाल ही में जब मैंने गीजा के पिरामिड, एथेंस के एक्रोपोलिस और भूमध्यसागर के किनारे पर बने बिब्लियोथेका अलेक्जेंड्रिना (पुस्तकालय) को देखा तो वहां के ऐतिहासिक महत्व को देखकर अभिभूत रह गया।

गीजा के ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम में विश्वस्तरीय संरक्षण, सुचिंतित डिजाइन और जीवंत कहानियों के जरिए मिस्र की पांच हजार वर्ष पुरानी सभ्यता से जुड़े एक लाख से अधिक पुरावशेष संग्रहित हैं। इनमें तूतनखामुन के मकबरे का खजाना भी है। एक्रोपोलिस में कांच के फर्श के नीचे प्राचीन बसावट को देखा जा सकता है, जो खुदाई में मिली थी। बिब्लियोथेका में ज्ञान को संरक्षित रखने के लिए किया गया निवेश स्पष्ट नजर आता है।

भारत की सभ्यतागत विरासत भी इतनी ही समृद्ध है। हमारे पास सिंधु घाटी के सुनियोजित शहरों से लेकर स्मारकों, पांडुलिपियों, मंदिरों, किलों और पुरावशेषों तक दुनिया की बेहद समृद्ध ऐतिहासिक धरोहरें हैं। लेकिन जब भी मेरी डेस्क पर पर्यटन या शहरी विकास से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट की कोई फाइल आती तो वह एक ही समस्या में जाकर उलझ जाती थी।

हमारे पास कहानियां तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें कहने वाले पर्याप्त संस्थान नहीं हैं। हमारे सबसे अच्छे पुरावशेष संग्रहालयों में ही कैद हैं। मसलन, कोलकाता के इंडियन म्यूजियम में कला, पुरातत्व और प्राकृतिक इतिहास से जुड़ी 25 लाख वस्तुएं हैं, नई दिल्ली के नेशनल म्यूजियम में दो लाख से अधिक पुरावशेषों का संग्रह है, लेकिन इनका एक छोटा-सा हिस्सा ही प्रदर्शित किया जाता है। इसमें भी समसामयिक डिजाइन, लाइटिंग और इंटरप्रिटेटिव मीडिया का सीमित ही उपयोग है।

दरअसल, हमने उतनी महत्वाकांक्षा के साथ कभी हमारे इन संस्थानों में निवेश किया ही नहीं, जो हमारी महान विरासत को सहेजने, उनकी व्याख्या करने और इसे देश-दुनिया को बताने का काम करते हैं। हमारे म्यूजियम, आर्काइव्स और साइट इंटरप्रिटेशन सेंटर अपार संभावनाओं से भरे हैं, लेकिन उन्हें गंभीर संरक्षण, बेहतर क्यूरेशन, मजबूत डिजाइन और ज्यादा कल्पनाशीलता की जरूरत है।

तभी वे उस सभ्यता के अनुरूप बन पाएंगे, जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। नॉर्थ-साउथ ब्लॉक को राष्ट्रीय संग्रहालय में बदलने की योजना इस बात का प्रतीक है कि संस्कृति राष्ट्र की मूल पहचान से जुड़ा मसला है। इसे दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालयों में से एक बनाने की योजना है। इसमें इमर्सिव डिजाइन और डिजिटल माध्यमों से हजारों वर्षों की भारतीय सभ्यता की यात्रा बताई जाएगी।

उम्मीद है कि अगले तीन वर्षों में कंटेंट टीमें आठ थीम आधारित क्षेत्रों में लगभग 30 दीर्घाएं विकसित करेंगी। केंद्रीय संग्रहालयों, एएसआई की साइटों और राज्यों के संग्रहालयों से 80 हजार से एक लाख तक पुरावशेष यहां लाए जाएंगे। इन्हें प्राचीन इतिहास और ज्ञान-परंपराओं से लेकर आधुनिक भारत तक की यात्रा के क्रम में व्यवस्थित किया जाएगा। अब तक सत्ता के केंद्र कहे जाने वाले नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की पहचान अब महज दफ्तरों और औपचारिक आयोजनों से नहीं, बल्कि ऐसे स्थान के तौर पर होगी, जहां राष्ट्र को सुव्यस्थित स्मृतियों के जरिए देखा जा सकता है। यहां सिंधु घाटी के शहर, ज्ञान-परंपराएं, कोणार्क के सूर्य-रथ, चोलकालीन कांस्य प्रतिमाएं और संविधान से जुड़े दस्तावेज तक प्रदर्शित किए जाएंगे। स्पष्ट मानक तय किए जाएं तो रायसीना हिल की प्रत्येक गैलरी दुनिया के प्रमुख संग्रहालयों की बराबरी कर सकती है।

यदि हम वाराणसी, हम्पी या जयपुर जैसे शहरों में भी ऐसे संग्रहालय विकसित करें, जो संरक्षण, डिजाइन और सेवाओं के मामले में विश्वस्तरीय मानकों पर खरे हों तो भारत खुद को वैश्विक पर्यटन सर्किट में स्थापित कर सकता है।

पर्यटक आज आर्ट हॉलिडे, प्राइवेट म्यूजियम टूर और क्यूरेटेड यात्रा कार्यक्रमों पर काफी पैसा खर्च कर रहे हैं। सांस्कृतिक अनुभव देने वाली यात्राएं लग्जरी ट्रैवल ट्रेंड में अपना अहम स्थान बनाए हुए हैं। ऐसे में हम मौका न चूकें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बांकीपुर की जीत बदलेगी सियासत की दिशा

वेद विलास उनियाल

उपचुनाव का यह नतीजा जहां बीजेपी को आत्ममंथन करने के लिए विवश करता है वहीं विपक्ष की बड़ी पार्टियों को भी यह अवसर नहीं देता कि इस जीत पर जश्न मना सकें। खासकर इस सीट पर जो आरजेडी जमानत नहीं बचा सकी उसके लिए भी बिहार की सीमाओं में स्पष्ट संदेश है।

एक राज्य का उपचुनाव का परिणाम किस तरह पूरे देश भर में अपनी धमक दिखा सकता है, इसे बिहार बांकीपुर चुनाव के नतीजे आने के बाद महसूस किया जा सकता है। इस एक सीट ने देश की सियासत के कई संदेश एक साथ दे दिए हैं। बांकीपुर की वह सीट, जिसमें कई कारणों से बीजेपी के लिए चुनाव एक औपचारिक-सा माना जा रहा था वहां उसके प्रत्याशी का लगभग 19 हजार वोटों से पीछे रह जाना सबको चौंकाया है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन का गढ़ मानी गई इस सीट पर जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने जीत हासिल की है। 1995 से बीजेपी यहां कोई चुनाव नहीं हारी थी। इस सीट को नवीन परिवार की सीट कहा जाता रहा है। दूसरी तरफ प्रशांत किशोर की पार्टी विधानसभा चुनाव में 238 में 233 सीटों पर जमानत जब्त कराकर हाशिए पर थी। ऐसे में उपचुनाव का यह नतीजा जहां बीजेपी को आत्ममंथन करने के लिए विवश करता है वहीं विपक्ष की बड़ी पार्टियों को भी यह अवसर नहीं देता कि इस जीत पर उल्लास मना सकें। खासकर इस सीट पर जो आरजेडी जमानत नहीं बचा सकी उसके लिए भी बिहार की सीमाओं में स्पष्ट संदेश है।

वर्ष 2024 मे लोकसभा में अयोध्या की सीट हारने के बाद बीजेपी के लिए बांकीपुर विधानसभा की सीट हारना दूसरा सदमा है। इस चुनाव ने बताया है कि चुनावी रणनीति ठीक हो, मतदाताओं के साथ संवाद हो और लागलपेट के बजाय सहजता से अपने मुद्दों को रखा जाए तो वोट बरस सकते हैं। कुछ महीनों में ही अगर मतदाताओं की सोच में इतना फर्क आया है तो फिर बीजेपी को आकलन करना होगा कि इस अवधि में ऐसे कौन से घटनाक्रम हुए जिनसे मतदाता का मन बिल्कुल बदल गया। बीजेपी ने नामांकन खत्म होने से पहले एकाएक अपनी पार्टी का उम्मीदवार बदला। इससे साथ ही भरत तिवारी के एनकाउंटर को लेकर सवर्णों में निराशा फैली। कहीं न कहीं ऐसे अवसर पर दिल्ली में छात्रों के आक्रोश से भी किसी हद तक माहौल बदला। बीजेपी की कार्यशैली के साथ साथ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बयानों ने भी मतदाताओं को नाराज किया।

बीजेपी के प्रभाव वाले वोट जनसुराज पार्टी को मिले बिना इस तरह की बड़ी जीत हासिल करना संभव नहीं था। प्रशांत किशोर को बीजेपी के मत भी मिले और आरजेडी के भी। साथ ही इस चुनाव ने इस धारणा को भी और सबल बना दिया कि राष्ट्रीय पार्टियों के तौर-तरीके और शैली में जनता कहीं किसी बदलाव की अपेक्षा कर रही है। फिर वह चाहे तमिलनाडु में विजय थलपति को सत्ता थमाना हो या फिर बांकीपुर की सीट उन प्रशांत किशोर को सौंपनी हो, जो अपना पहला चुनाव लड़ रहे थे।

ऐसा नहीं कि प्रशांत किशोर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की खाली की हुई सीट पर जीत कर बड़े नायक बन गए हों। लेकिन उनकी जीत ने सियासत की कई संभावनाओं को सामने रख दिया है। इसका संदेश बिहार सहित पूरे देश के लिए है। प्रशांत किशोर ने राजनीति के मिजाज को बखूबी समझा। बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम से न तो वह विचलित हुए न हताश हुए। उन्होंने कोई अनर्गल बयान नहीं दिया। एसआईआर पर भी वह ज्यादा नहीं बोले। वह जिस तरह बांकीपुर के मतदाताओं के समक्ष गए उसकी थाह मतदाताओं ने ली। बीजेपी या आरजेडी से हताश हो रहे मतदाता ने प्रशांत किशोर को सबसे बेहतर विकल्प माना।

देश में कुछ उपचुनाव ऐसे भी हैं जिन्होंने राजनीति की दिशा और दशा को बदला। आपातकाल के बाद 1977 में हुए चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह पराजित हुई थी। लेकिन दक्षिण भारत में उसे आधार मिला था। यहीं से कर्नाटक की लोकसभा एक सीट चिकमगलूर डीबी चंद्रगौड़ा ने इस्तीफा देकर खाली की थी। इंदिरा गांधी ने यहीं से उपचुनाव लड़ा था। यह उपचुनाव के लिए जनता पार्टी ने जनता दल के कद्दावर नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र पाटिल को जिताने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी। आपसी मतभेद में जूझ रही जनता पार्टी के लिए चिकमगलूर का परिणाम आगे का संकेत लेकर आया था।

उपचुनाव की बात करें तो पौड़ी संसदीय क्षेत्र में 1981 का चुनाव भारतीय राजनीति का सबसे दिलचस्प रोमांचक चुनाव कहा जा सकता है। यह चुनाव सीधे-सीधे कद्दावर नेता हेमवती नंदन और पीएम इंदिरा गांधी के बीच प्रतिष्ठा का चुनाव बन गया था।

हालांकि, चुनाव लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के नेता एचएन बहुगुणा और कांग्रेस के चंद्र मोहन सिंह नेगी के बीच था। एचएन बहुगुणा जनता पार्टी के टूटने पर 1980 में फिर से कांग्रेस में शामिल हुए थे। लोकसभा चुनाव में पौड़ी सीट पर उन्होंने जीत हासिल की थी। लेकिन संजय गांधी से उनका तालमेल नहीं बैठा। यह उनका नैतिक आधार था कि जिस पार्टी को छोड़ा है उसके टिकट पर सांसद बने रहने का औचित्य नहीं है। उन्हें दोबारा जनादेश लेना चाहिए। यही बात कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व को खटकी थी। कांग्रेस ने पांच राज्यों के मुख्यमंत्रियों को प्रचार में उतारा था।

तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने दो सभाएं की थीं। 14 जून, 1981 को इस सीट पर ऐतिहासिक चुनाव हुआ था। लेकिन तब कुछ गड़बड़ियों की शिकायत पर मुख्य चुनाव आयुक्त श्याम लाल शकधर ने चुनाव रद्द कर दिया था। दोबारा चुनाव होने पर हेमवती नंदन बहुगुणा ने 42 हजार की लीड लेकर चुनाव जीता था। इस चुनाव का महत्व यह भी था कि देश में चुनाव सुधार और पारदर्शी मतदान के लिए एक नई बहस ने जन्म लिया था।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

रोती-सोती व्यवस्था में जागे कॉकरोच

मौसम बदल रहा है। अभी कॉकरोच आया है। कल हो सकता है, चमगादड़ न आ जाए। बताता चलूं, चमगादड़ की फितरत उलटा लटके रहने की होती है। क्या मालूम, किसको कहां किधर उलटा लटका दें।

कॉकरोच एक ऐसा जीव है, जिससे रत्तीभर डर नहीं लगता। डर लगे भी क्यों और किसलिए भला? यह न नुकसान पहुंचाता है न धमकाता है न सताता। चुपचाप शांति के साथ इस-उस कोने में छिपा-पड़ा रहता है। रात में बाहर निकलता है। थोड़ा टहल-कदमी करता है। दिन में आराम फरमाता है। सड़ा-गला जो मिल जाए खाकर संतुष्ट रहता है। शिकवा-गिला किसी से नहीं रखता। दुनिया से लगभग कटा रहता है। खुद को न किसी का दोस्त कहता है न दुश्मन। अपनी मर्जी का आप मालिक।

फिर भी, न जाने क्यों, लोग इस सीधे-साधे जीव से बेइंतहा घृणा करते हैं। अपशगुन मानते हैं। घर में कहीं दिखे तो तुरंत हिट छिड़क मारते हैं। तमाम गतिशील-प्रगतिशील महिलाओं को इससे खौफ खाते देखा है। चीखकर उछलते देखा है। जबकि यह निरीह जीव खुद मनुष्य से भय खाता है। कदमों की पदचाप सुन तुरंत भीतर हो लेता है। भूलवश किसी पर चढ़ जाए, उतरकर खुद ही माफी मांग लेता है। लेकिन, इन दिनों वे चर्चा और बहस का अहम मुद्दा बने हुए हैं। मतलब—छाए हुए हैं। दूसरी ओर, नेताओं व राजनीतिक दलों के लिए चुनौती साबित हो रहे हैं। कोई दल इनसे सीधा भिड़ना नहीं चाहता। रोती-सोती व्यवस्था को जगाने और राजनीति को लाइन पर लाने कोशिश में लगे हैं।

कभी जब मेरा क्रांति करने का जी होता है, खुद में कॉकरोच जैसा महसूस करता हूं। बहुत कुछ बदल डालना चाहता हूं। लेकिन फिर रुक इस कारण जाता हूं कि चार लोग क्या कहेंगे, क्या सोचेंगे? चार लोग यों करते-कराते कुछ नहीं बस पीछे से टांग खींचते हैं। सुना है, सोशल मीडिया पर टांग खींचने के अच्छे पैसे मिलते हैं। कितने ही लोग सुबह से रात तलक इस-उस की टांग खींचते-तोड़ते मिल जाएंगे। राजनीति एवं आंदोलन से इतर कॉकरोच मैदान में डटे हुए हैं। धीरे-धीरे ही सही जनमानस को जगा रहे हैं। एक बात और; देश-समाज ही नहीं, सुधार की आवश्यकता साहित्य एवं लेखन में भी बहुत है। पुराने घाघों का एकछत्र राज है यहां। फिर भी, नए लोग सामने आने के लिए प्रयासरत हैं। उनके प्रयास को सलाम। मौसम बदल रहा है। अभी कॉकरोच आया है। कल हो सकता है, चमगादड़ न आ जाए। बताता चलूं, चमगादड़ की फितरत उलटा लटके रहने की होती है। क्या मालूम, किसको कहां किधर उलटा लटका दें।

कॉकरोच के प्रति नजरिया बदलिए, हुजूर। उससे स्नेह रखिए। अपने घर-परिवार, किचिन-बाथरूम में पनाह दीजिए। भीतर से डर निकाल फेंकिए। वो मशहूर डायलॉग है न—'जो डर गया, समझो मर गया।'

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

स्वच्छता टीम ने सेक्टर-10 में जामुन व बादाम के पौधे लगाए

भिलाई। स्वच्छता ही सेवा समिति की 435वीं साप्ताहिक स्वच्छता अभियान में सेक्टर-10, पानी टंकी के पास पौधरोपण किया गया। यहां पहले लगाए गए पौधे अब बड़े हो चुके हैं, जबकि कुछ स्थान खाली रह गए थे। इन्हीं जगहों पर नए पौधे लगाए गए और उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए खाद, पानी तथा सुरक्षा घेरा की व्यवस्था की गई, ताकि पौधे सुरक्षित रहें और तेजी से विकसित हों। पहले लगाए गए छायादार व फलदार पौधों में काला आम, जामुन, काजू, बादाम, मीठा नीम और नीम शामिल हैं, जो क्षेत्र में हरियाली बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर प्रेमचंद साहू, संयोजक हर्षदेव साहू, कोषाध्यक्ष राजू ऊके मौजूद थे।

अटल परिसर में पौधों की सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल ठीक कराएं

कुम्हारी। नगर के वार्ड 15 के नागरिकों व वरिष्ठ सर्वजीत सिंह ने नगर पालिका सीएमओ को ज्ञापन सौंपकर अटल परिसर, वार्ड क्रमांक 15 में नव-रोपित पौधों की सुरक्षा और बाउंड्री वॉल की तकनीकी त्रुटियां दुरुस्त करने की मांग की है। सर्वजीत के अनुसार कुम्हारी के छह उद्यानों में अटल परिसर ही बचा है, जिसे पिछले चार वर्षों से एक योगा समूह संवार रहा है। पिछले वर्ष 175 और इस जुलाई माह में 300 पौधे रोपे गए। छोटा गेट खुला होने से आवारा मवेशी भीतर घुसकर पौधों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

अग्रवाल महिला समिति ने किया सामूहिक महा रुद्राभिषेक

भिलाई। अग्रवाल महिला समिति, खुर्सीपार की सदस्यों ने पवित्र सावन माह में सामूहिक महारुद्राभिषेक का आयोजन कराया। इस अवसर पर 22 जोड़ों ने पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक किया। कार्यक्रम की पूरी तैयारी समिति द्वारा की गई थी। अभिषेक, पूजा के बाद सभी का प्रसादी बांटी गई। आयोजन में अध्यक्ष संगीता नेमीचंद अग्रवाल, सचिव प्रेमा राजेंद्र गर्ग, कोषाध्यक्ष शारदा सिंघानिया, उषा अग्रवाल, प्रेमलता, बीना अग्रवाल, अंजू, प्रतिमा, शामिल रहीं।

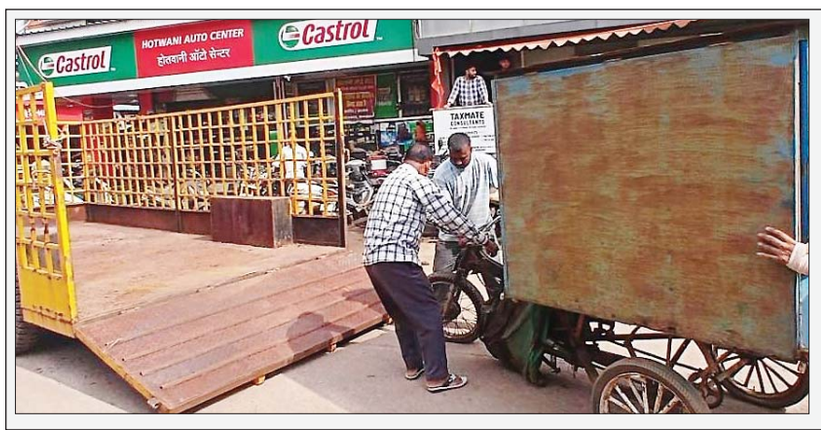

अवैध पार्किंग और गुमटियों पर पुलिस और निगम की संयुक्त कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने तथा सड़क पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के उद्देश्य से जोन-01 नेहरू नगर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया।

निगम प्रशासन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने नेहरू नगर चौक गुरुद्वारा से मौर्या टॉकीज मार्ग तक सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े किए गए वाहनों तथा अवैध गुमटियों को हटाने की कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान सड़क पर अवैध पार्किंग करने वाले वाहन चालकों को हटाया गया तथा मार्ग में बाधा उत्पन्न कर रही गुमटियों को भी हटवाया गया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों पर अतिक्रमण एवं अवैध पार्किंग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इससे यातायात बाधित होने के साथ-साथ आम नागरिकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

निगम प्रशासन ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण न करें तथा अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करें।

निगम प्रशासन ने कहा है कि भविष्य में भी इस प्रकार की संयुक्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भिलाई महिला समाज ने मनाया अपना 69वां स्थापना दिवस

इस वर्ष की नलिनी श्रीवास्तव ट्राफी सेक्टर-2 क्लब को, सेक्टर-4 क्लब की भी हुई सराहना

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शहर की अग्रणी महिला सामाजिक संस्था भिलाई महिला समाज 4 अगस्त 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर में उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में अपना 69वाँ स्थापना दिवस मनाया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगठन की गौरवशाली यात्रा के स्मरण तथा सामाजिक सरोकारों से ओत-प्रोत इस समारोह में भिलाई महिला समाज द्वारा वर्ष 1957 से महिलाओं के सशक्तिकरण एवं समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय योगदान को रेखांकित किया गया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में भिलाई महिला महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य एवं प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. संध्या मदन मोहन उपस्थित थीं। भिलाई महिला समाज की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती छवि निगम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर विशेष अतिथियों में भिलाई महिला समाज की उपाध्यक्ष मोली चक्रवर्ती, केका सरकार, पूनम कुमार, स्मिता भास्कर, आभा सिंह, महासचिव सोनाली रथ, सहसचिव दीपान्विता पॉल, कोषाध्यक्ष शिखा जैन, सहकोषाध्यक्ष रीता तिवारी उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त भिलाई टाउनशिप एवं खदान क्षेत्रों की विभिन्न बीएमएस इकाइयों एवं क्लबों की सदस्याएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

डॉ. संध्या मदन मोहन ने अपने संबोधन में भिलाई महिला समाज परिवार को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि परिवार समाज की सबसे सशक्त इकाई है और महिला उसकी आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएँ एकजुट होकर समाजहित में कार्य करती हैं, तब वे केवल सशक्त परिवारों का ही नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ समाज और समर्थ राष्ट्र का भी निर्माण करती हैं।

उन्होंने भिलाई महिला समाज की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने वर्षों से महिलाओं को प्रोत्साहन, अवसर एवं सशक्त मंच उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कार्यकारी अध्यक्ष छवि निगम ने कहा कि स्थापना दिवस लगभग सात दशकों की सेवा, सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि महिलाएँ सृजन, संस्कार एवं सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला हैं तथा वास्तविक सशक्तिकरण आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के विकास से ही संभव है।

श्रीमती नलिनी श्रीवास्तव ट्राफी इस साल सेक्टर-2 क्लब को प्रदान की गई। स्वर्गीय श्रीमती नलिनी श्रीवास्तव ने 04 अगस्त 1957 को 50 समर्पित सदस्याओं के साथ भिलाई महिला समाज की स्थापना कर संस्था की गौरवशाली यात्रा का शुभारंभ किया था। सराहनीय प्रदर्शन के लिए सेक्टर-4 क्लब को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर भिलाई महिला समाज की विभिन्न इकाइयों एवं क्लबों द्वारा शास्त्रीय एवं लोकनृत्य, समूहगान तथा नृत्य-नाटिका की मनोहारी प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने संस्था की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं सृजनात्मक प्रतिभा की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महासचिव श्रीमती सोनाली रथ ने संस्था का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए गत वर्ष की प्रमुख गतिविधियों एवं उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आशा वरवाडे, श्रीमती रेशु जैन एवं श्रीमती रेनू जैन ने किया, जबकि अंत में कोषाध्यक्ष श्रीमती शिखा जैन ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सैकड़ों हादसों के बाद जागा प्रशासन

सड़क पर बिल्डिंग मटेरियल, निगम ने ठोंका एक हजार रुपए का जुर्माना

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में सार्वजनिक स्थानों पर निर्माण सामग्री डम्प कर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में निगम के जोन क्रमांक-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक-26 रामनगर मुक्तिधाम तालाब पार क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर बिल्डिंग मटेरियल डम्प किए जाने पर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनगर मुक्तिधाम तालाब पार क्षेत्र में गिट्टी एवं रेत को सार्वजनिक स्थान पर डम्प कर दिया गया था। निर्माण सामग्री के इस प्रकार रखे जाने से आसपास के क्षेत्र में आवागमन प्रभावित हो रहा था तथा नागरिकों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसके अलावा सड़क किनारे गिट्टी एवं रेत रखे जाने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ ही दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

मामले की जानकारी मिलने पर नगर निगम की टीम द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थान पर गिट्टी एवं रेत डम्प किया हुआ पाया गया। निगम की टीम ने संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बाधा शुल्क के रूप में 1000 रुपये का अर्थदण्ड वसूल किया। साथ ही सार्वजनिक स्थान पर इस प्रकार निर्माण सामग्री नहीं रखने की समझाइश भी दी गई।

बार एंड रॉड मिल में कैपिटल रिपेयर का शुभारंभ, सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी के शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की प्राप्ति एवं सुरक्षित कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से संयंत्र की अग्रणी उत्पादन इकाई बार एवं रॉड मिल में कैपिटल रिपेयर के शुभारंभ के अवसर पर कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों से सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से संवाद किया तथा सुरक्षित कार्य संस्कृति को अपनाने का आह्वान किया।

श्री कुमार ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी का प्रथम दायित्व स्वयं की तथा अपने सहकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन सिलेंडरों के परिवहन, गैस कटिंग के सुरक्षित संचालन तथा क्रेन संचालन में क्षणिक लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है।

श्री कुमार ने ऊँचाई पर कार्य के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के अनिवार्य उपयोग, कार्य प्रारंभ करने से पूर्व जोखिमों के समुचित आकलन तथा निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के पूर्ण अनुपालन की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि जब प्रत्येक कर्मचारी सुरक्षा को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करेगा, तभी शून्य दुर्घटना का संकल्प पूरा होगा।

आर्य समाज मंदिर में संस्कृत महोत्सव एवं स्पर्धा 23 अगस्त को

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। आर्य समाज मंदिर, सेक्टर-6 स्थित महर्षि दयानंद सभागार में 23 अगस्त को संस्कृत मित्र मंडलम् की ओर से संस्कृत महोत्सव-2026 आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार अगस्त माह को संस्कृत मास के रूप में मनाते हुए यह मंच विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और संस्कृत प्रेमियों को प्रतियोगिताओं के साथ संस्कृति और ज्ञान परंपरा से जोड़ने का प्रयास करेगा।

महोत्सव में संस्कृत समूह गीत, संस्कृत ग्रीटिंग कार्ड निर्माण, संस्कृत सुलेख और एक ईश्वर: अनेक नाम विषय पर हिंदी निबंध प्रतियोगिता होंगी। सभी प्रतियोगिताएं नि:शुल्क रहेंगी और किसी भी विद्यालय, महाविद्यालय तथा इच्छुक प्रतिभागियों के लिए खुली होंगी। प्रविष्टियां 10 अगस्त तक ऑनलाइन आमंत्रित की गई हैं। अध्यक्ष आभा चौरसिया ने कहा कि संस्कृत भविष्य के सशक्त भारत का आधार है। संयोजक अजय आर्य के मुताबिक सीबीएसई 2025 में कक्षा 10 में संस्कृत में 100 में 100 अंक लाने वाले विद्यार्थियों का विशेष सम्मान भी होगा।

बैठक में वेदप्रकाश, धीरज मणि, संतोष दाहतोंडे, अनुपमा उपाध्याय, वंदना सिंह, संयोगिता त्रिपाठी, प्रीति भट्ट, चन्द्र प्रकाश, पंकज सोनी, मनोरमा गुप्ता, धात्री साव, आशा यादव, राजेश्वरी वर्मा, आभा नेवलकर, कल्पना शर्मा, शीला लाकुडकर उपस्थित थे।

सावन सोमवार को बही भक्ति की गंगा भजन-कीर्तन और महाप्रसाद का वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। सावन माह के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर सिंधिया नगर वार्ड क्रमांक 21 में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीमती नीलू सिंह के सिंधिया नगर निवास पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।

भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन एवं संगीतमय प्रस्तुति ने सभी श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर रंग-बिरंगी चूड़ियों एवं सोलह श्रृंगार के साथ भगवान महादेव की पूजा-अर्चना की तथा सावन सोमवार का व्रत रखकर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। महिलाओं ने पूरे आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया।

श्रीमती नीलू संजय सिंह ने बताया कि सावन के प्रथम सोमवार का यह आयोजन पिछले कई वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। भजन-कीर्तन, संगीतमय प्रस्तुति, पूजा-पाठ एवं महाप्रसाद के माध्यम से क्षेत्रवासियों को एक साथ जोड़ने जोड़ने का प्रयास किया जाता है।

बीएसपी के संविदा कर्मियों को सुरक्षा सजगता पुरस्कार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग द्वारा कार्यस्थल सुरक्षा एवं उत्कृष्ट हाउसकीपिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले संविदा कर्मियों को 04 अगस्त 2026 को कोक ओवन सभागार में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह 'सुरक्षा सजगता पुरस्कार' प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) तुलाराम बेहरा ने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि किसी भी औद्योगिक इकाई की सफलता केवल उत्पादन पर ही नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा संस्कृति और कार्यस्थल की सुव्यवस्थित व्यवस्था पर भी निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित, स्वच्छ एवं अनुशासित कार्य वातावरण न केवल दुर्घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित करता है, बल्कि परिचालन दक्षता एवं उत्पादकता में भी उल्लेखनीय वृद्धि करता है। उन्होंने सुरक्षा एवं उत्कृष्ट हाउसकीपिंग के प्रति कर्मियों की निष्ठा और समर्पण की सराहना करते हुए इसे अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

इस अवसर पर पाँच कर्मचारियों को 'सुरक्षा सर्वोत्तम पुरस्कार', छह कर्मचारियों को 'सुरक्षा अनमोल पुरस्कार' तथा पच्चीस कर्मचारियों को 'सुरक्षा दक्ष पुरस्कार' प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) श्री बी. सी. मंडल ने औद्योगिक सुरक्षा के महत्वपूर्ण सिद्धांत 'लाइन ऑफ फायर' की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यस्थल पर होने वाली अधिकांश दुर्घटनाएँ तब घटित होती हैं, जब कर्मचारी अनजाने में गतिशील उपकरणों, लटके हुए भार, दाबयुक्त प्रणालियों अथवा संचित ऊर्जा के प्रभाव क्षेत्र में आ जाते हैं। उन्होंने संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान करने, सतर्कता बनाए रखने तथा प्रत्येक कार्य से पूर्व जोखिमों का समुचित आकलन करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

विभागीय सुरक्षा अधिकारी आशुतोष प्रधान ने सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने में 'जीरो टॉलरेंस रूल' की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि असुरक्षित कार्य व्यवहार, असुरक्षित परिस्थितियों तथा निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के उल्लंघन के प्रति किसी भी प्रकार की उदासीनता या शिथिलता स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रत्येक कर्मचारी से सुरक्षा नियमों का पूर्ण निष्ठा एवं अनुशासन के साथ पालन करने का आह्वान किया।

नहर-नालियों से अब भी निकल रही प्लास्टिक, कचरा और पूजा सामग्री

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त के निर्देशानुसार शहर में वर्षा जल की सुचारु निकासी सुनिश्चित करने के लिए सभी जोनों में नालियों की व्यापक सफाई कराई जा रही है।

बरसात के दौरान जलभराव की स्थिति से मौसमी बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ जाती है, जिससे नागरिकों को भी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए निगम प्रशासन द्वारा सफाई कर्मियों की टीम लगाकर छोटी एवं बड़ी नालियों की नियमित सफाई कराई जा रही है। सफाई के दौरान नालियों से निकाले गए गाद एवं कचरे मलबे को तत्काल हटाकर उसका उचित निस्तारण भी किया जा रहा है, ताकि दोबारा नालियां अवरुद्ध न हों।

जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत वार्ड 26 रामनगर मुक्तिधाम तालाब परिसर झाड़ू कार्य एवं पुजा सामाग्रियों का तालाब विसर्जन का कचरा सफाई कार्य किया जा रहा है। नगर निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे नालियों में कचरा एवं प्लास्टिक सामग्री न डालें तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ शहर बनाने में निगम प्रशासन का सहयोग करें।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

प्रशासन की तत्परता से टले दो बाल विवाह

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त बनाने का अभियान लगातार प्रभावी परिणाम दे रहा है। सुकमा जिले में जिला प्रशासन की तत्परता और संवेदनशील पहल से दो बाल विवाह समय रहते रोक दिए गए। यह कार्रवाई कवासीपारा, फूलबगड़ी गाँव में मूसलाधार बारिश के बीच की गई। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से बाल विवाह की सूचना मिलते ही जिला महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम तुरंत गाँव के लिए रवाना हुई। कठिन मौसम और बारिश के बावजूद टीम समय पर मौके पर पहुँची और दोनों बाल विवाह रुकवाने में सफल रही। गाँव में विवाह की तैयारियाँ चल रही थीं। अधिकारियों ने स्थानीय परंपराओं का सम्मान करते हुए परिवारों से शांतिपूर्ण और संवेदनशील तरीके से बातचीत की। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की जानकारी दी, कम उम्र में विवाह से बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर असर पड़ता है।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया बना दिव्यांगजनों के लिए उम्मीद और सहारे का केंद्र

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह ग्राम बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसेमंद केंद्र बनकर उभर रहा है। यहां पहुंचने वाले नागरिकों की समस्याओं पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई की जा रही है, जिससे जरूरतमंदों को समय पर राहत मिल रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के कुनकुरी तहसील अंतर्गत ग्राम गिरहलडीह, पोस्ट लोधमा निवासी रामपति बाई ने अपनी श्रवण बाधित पुत्री दीपिका कुमारी के लिए मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में श्रवण यंत्र उपलब्ध कराने का आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में बताया गया कि कान से कम सुनाई देने के कारण उनकी पुत्री की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। दीपिका कुमारी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, पतराटोली, विकासखंड दुलदुला में कक्षा 9वीं की छात्रा है।

कृषि महाविद्यालयों के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया आज से

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के बी.एस.सी. कृषि (ऑनर्स) स्नातक पाठ्यक्रम में नवीन शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रवेश हेतु ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रथम चरण की काउंसलिंग 05 अगस्त से 14 अगस्त 2026 तक चलेगी। असफल फीस ट्रांजेक्शन वाले अभ्यर्थियों हेतु पुन: फीस जमा 16 अगस्त को किया जाएगा। प्रथम चरण की काउंसलिंग में 18 अगस्त को ऑनलाइन पंजीयन करने वाले अभ्यर्थियों को पीएटी परीक्षा की प्रावीण्य सूची के आधार पर प्रोविजनल सीट एवं महाविद्यालय का आबंटन किया जायेगा। 20 से 22 अगस्त तक कृषि महाविद्यालय रायपुर में प्रात: 8 बजे से शाम 5:30 तक दस्तावेजों का परीक्षण किया जायेगा। अभ्यर्थियों को उन्हें आबंटित प्रोविजनल सीट को सुरक्षित करने हेतु 20 से 23 अगस्त तक ऑनलाइन फीस जमा करना होगा। यह उल्लेखनीय है कि पीएटी काउंसलिंग की प्रवेश प्रकिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ आयोजित की जा रही है।

राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

एचपीवी संक्रमण एवं सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण के महत्व की दी गई जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा सरगुजा जिले के विभिन्न विद्यालयों में छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम तथा एचपीवी टीकाकरण के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

अभियान के अंतर्गत दशमेश पब्लिक स्कूल की 60, कार्मेल स्कूल की 125 तथा होली क्रॉस स्कूल की 310 छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छात्राओं को बताया कि एचपीवी वैक्सीन गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से बचाव का सुरक्षित एवं प्रभावी माध्यम है। समय पर टीकाकरण कराने से इस गंभीर बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने टीकाकरण से जुड़े लाभ, आवश्यक सावधानियों एवं भ्रांतियों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें अपने अभिभावकों एवं परिवार के अन्य सदस्यों को भी एचपीवी टीकाकरण के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले की सभी पात्र छात्राओं एवं उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान में सक्रिय सहभागिता करें तथा निर्धारित समय पर टीकाकरण कराकर सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में सहयोग दें।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों के साथ स्वास्थ्य विभाग की शहरी कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सीमा तिग्गा, डॉ. चंदन केशरी, डॉ. साधना मिश्रा (आरबीएसके टीम-ए), शहरी सुपरवाइजर श्री धनेश प्रताप सिंह तथा हिमालय फार्मासिस्ट का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महानदी के तट पर आस्था का महाकुंभः बनारस की तर्ज पर गूंजे वैदिक मंत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सावन के पहले सोमवार की संध्या धमतरी की चित्रोत्पला महानदी का तट केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि भक्ति, संस्कृति और अध्यात्म का सजीव संगम बन गया। काशी की तर्ज पर जब 108 दीपों की स्वर्णिम आभा के बीच पहली बार भव्य 'महानदी गंगा आरती' का शुभारंभ हुआ, तो शंखनाद, वैदिक मंत्रों और घंटियों की गूंज से पूरा रुद्री घाट अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। धमतरी युवा ब्रिगेड और श्री रुद्रेश्वर महादेव परिवार के इस ऐतिहासिक प्रयास ने नगर की सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा दी है। अब जनआस्था का यह पावन पर्व सावन के प्रत्येक सोमवार को महानदी के तट पर सजने जा रहा है।

भक्ति के इस आध्यात्मिक वातावरण के बीच धमतरी के लिए एक और बड़ी खुशखबरी की शुरुआत हुई है। प्रदेश सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन विभाग ने प्राचीन रुद्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर के कायाकल्प के लिए 20 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने का संकल्प लिया है। इस परियोजना के माध्यम से रुद्रेश्वर धाम को एक ऐसे आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जो छत्तीसगढ़ की धरोहर को राष्ट्रीय पहचान दिलाएगा।

विधायक ओंकार साहू, महापौर जगदीश रामू रोहरा, कलेक्टर और पूर्व विधायक रंजना साहू सहित कई गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में शुरू हुआ यह आयोजन धमतरी के सामाजिक और आर्थिक विकास के नए युग का प्रतीक है। महानदी गंगा आरती की अविरल धारा और रुद्रेश्वर धाम का समग्र विकास मिलकर न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देंगे, बल्कि स्थानीय व्यापार, रोजगार और जनसहभागिता को भी एक नया आयाम देंगे।

तीन चरणों में बदलेगा रुद्रेश्वर धाम का स्वरूप

यह मास्टर प्लान प्राचीन स्थापत्य कला और आधुनिक जनसुविधाओं का बेहतरीन संतुलन प्रस्तुत करता है। मंदिर की पारंपरिक भारतीय स्थापत्य शैली को संरक्षित रखते हुए भव्य मुख्य प्रवेश द्वार, आकर्षक शिखर, तोरण, दीप स्तंभ और विशाल नंदी प्रतिमा का निर्माण किया जाएगा।श्रद्धालुओं के लिए चौड़े पैदल मार्ग, विश्राम गृह, प्रसाद व स्मृति केंद्र, फूड कोर्ट, सुरक्षित घाट और डिजिटल सूचना प्रणाली की व्यवस्था होगी। परिसर में स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ एआई आधारित हेल्थ कियोस्क भी स्थापित किए जाएंगे। इसी तरह परिसर में उद्यान, सांस्कृतिक मंडप, रिवर फ्रंट कॉटेज, ओपन एयर स्टेज और भविष्य की 'मैरीन ड्राइव' की तर्ज पर एक सुरम्य तट विकसित किया जाएगा।पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सौर ऊर्जा पार्किंग, ईवी चार्जिंग स्टेशन, वर्षा जल संचयन और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन लागू किया जाएगा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल से सूरजपुर जिले को मिली 5 नए आंगनबाड़ी केंद्रों की स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में महिला एवं बाल विकास सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की विशेष पहल और निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप सूरजपुर जिले में 5 नए आंगनबाड़ी केंद्रों के युक्तियुक्तकरण एवं संचालन की स्वीकृति प्रदान की गई है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालनालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह निर्णय भारत सरकार के दिशा-निर्देशों एवं राज्य शासन की स्वीकृति के आधार पर लिया गया है। इससे दूरस्थ एवं जरूरतमंद क्षेत्रों में बच्चों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं तथा किशोरियों को पोषण, स्वास्थ्य एवं पूर्व-प्राथमिक शिक्षा सेवाएं और अधिक सुलभ हो सकेंगी।

स्वीकृत केंद्र ओड़गी और भैयाथान परियोजना के अंतर्गत डगमलापारा (चेंद्रा सेक्टर),भूंडा (मोहरसोप सेक्टर), झाड़ूडीह (चेंद्रा सेक्टर),पण्डोपारा (चेंद्रा सेक्टर),बगईहापारा (दर्रीपारा सेक्टर) पर संचालित होंगे।

इन क्षेत्रों की जनसंख्या, भौगोलिक स्थिति एवं स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए केंद्रों की स्वीकृति दी गई है। विभागीय आदेश के अनुसार कुछ पूर्व संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों का युक्तियुक्तकरण कर उन्हें अधिक आवश्यकता वाले क्षेत्रों में स्थापित किया जाएगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए अधिक से अधिक हितग्राहियों तक सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। संचालनालय ने जिला प्रशासन एवं संबंधित परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी नवस्वीकृत आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन 60 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से प्रारंभ किया जाए। साथ ही पोषण ट्रैकर एवं आईसीडीएस पोर्टल पर आवश्यक अद्यतन, कार्यकर्ता एवं सहायिका पदों की व्यवस्था तथा भवन एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को सुपोषण, स्वास्थ्य सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराना है।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान की शुरुआत हरियाली के संकल्प से

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत मंगलवार को आईसीएआरदृराष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान (आईसीएआर-एनआईबीएसएम), रायपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत सरकार के 100 सप्ताह तक चलने वाले इस राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए वृक्षारोपण, खेलकूद एवं सामाजिक सेवा जैसी सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना तथा उनमें पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने अशोक का पौधा रोपकर किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करते, बल्कि स्वस्थ और समृद्ध समाज की नींव भी मजबूत करते हैं।

आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, हरित वातावरण और सुरक्षित भविष्य का संदेश है।' उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रकृति से जुड़ाव ही स्वस्थ जीवनशैली और नशामुक्त समाज की सबसे बड़ी प्रेरणा है।

डॉ. राय ने कहा कि 'नशा मुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा, जब युवा अपनी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाएंगे। वृक्षारोपण ऐसा ही एक सशक्त माध्यम है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी विकसित करता है।' कार्यक्रम में संस्थान के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य कार्मिकों ने मिलकर संस्थान परिसर में लगभग 75 अशोक के पौधों का रोपण किया और उनकी देखभाल का संकल्प भी लिया।

मां के दूध से स्वस्थ जीवन की मजबूत शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हर नवजात को जीवन की स्वस्थ और सुरक्षित शुरुआत मिले, इसी उद्देश्य के साथ प्रदेशभर में विश्व स्तनपान सप्ताह की शुरुआत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सप्ताहभर अस्पतालों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों तथा समुदाय स्तर पर विविध जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

अभियान के माध्यम से माताओं, गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को स्तनपान के महत्व तथा उसके वैज्ञानिक लाभों की जानकारी दी जा रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि शिशु के जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना और पहले छह माह तक केवल मां का दूध पिलाना उसके स्वस्थ विकास की सबसे मजबूत नींव है। मां का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) शिशु के लिए प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करता है। यह संक्रमण से बचाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा कुपोषण के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छह माह तक केवल स्तनपान कराने के बाद शिशु को उम्र के अनुरूप ऊपरी आहार के साथ दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने की सलाह दी जाती है।

स्तनपान केवल शिशु के लिए ही नहीं, बल्कि मां के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। इससे प्रसव के बाद मां के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होता है, कुछ गंभीर बीमारियों का खतरा कम होता है तथा मां और शिशु के बीच भावनात्मक संबंध भी अधिक मजबूत बनता है।

विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती एवं धात्री माताओं की काउंसलिंग, समूह चर्चा, स्वास्थ्य शिक्षा सत्र, प्रश्नोत्तर कार्यक्रम तथा स्तनपान संबंधी व्यवहारिक मार्गदर्शन दिया जा रहा है। चिकित्सक, स्टाफनर्स, एएनएम, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और अन्य स्वास्थ्यकर्मी माताओं को सही स्तनपान तकनीक, नवजात की देखभाल तथा स्तनपान से जुड़े सामान्य भ्रमों के वैज्ञानिक समाधान भी बता रहे हैं।

स्तनपान को केवल मां की जिम्मेदारी न मानकर पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी समझें। परिवार का सहयोग, सकारात्मक वातावरण और सही जानकारी ही प्रत्येक नवजात को स्वस्थ जीवन की बेहतर शुरुआत दे सकती है। जनभागीदारी और जागरूकता के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में और अधिक सुधार लाया जा सकता है तथा कुपोषण मुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया जा सकता है।

अवैध रेत उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन पर करें सख्त कार्यवाही : मंत्री बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। मंत्री बघेल ने बैठक में खनिज विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने रेत, मुरुम, पत्थर सहित अन्य गौण खनिजों के अवैध कारोबार पर सख्ती से नियंत्रण रखने तथा नियमित जांच एवं कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में प्रभारी मंत्री बघेल ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग का समीक्षा करते हुए कहा कि खाता विभाजन, नामांतरण, सीमांकन, बंदोबस्त त्रुटि सुधार, न्यायालयीन प्रकरण एवं डायवर्सन संबंधी मामलों का गुणवत्तापूर्ण और शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने लंबित एनओसी प्रकरणों का भी समयबद्ध निराकरण करने तथा अनावश्यक विलंब नहीं होने देने के सख्त निर्देश दिए।

बैठक में राजिम विधायक रोहित साहू, कलेक्टर बीएस उइके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, वनमण्डलाधिकारी शशिगानंदन के, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री बघेल ने ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने, भूमिहीन परिवारों को स्वीकृत आवासों की प्रगति पर नियमित निगरानी रखने तथा व्यक्तिगत शौचालयों का शत-प्रतिशत निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष बल देते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लिए ब्लॉक स्तर पर बड़े कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। जहाँ विभागीय अधिकारी बैंक एवं उनके मंशा अनुरूप आजीविका कार्यों को फार्म भराकर उन्हें आजीविका उपलब्ध कराने के लिए ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकरियों को निर्देशित किया कि जिला, ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर किसी भी प्रकार के शासकिय कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, तो जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से बताएं। साथ ही विभागीय सामग्रियों का वितरण भी जनप्रतिनिधियों को कराएं।

उन्होंने आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने, हस्तशिल्प, मसाला प्रसंस्करण, मुर्गी पालन, बकरी पालन, मशरूम उत्पादन तथा अन्य स्वरोजगार गतिविधियों का विस्तार एवं उनके लिए बाजार उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के निर्माणाधीन सड़क, भवन तथा अन्य अधोसंरचना कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रकुल ने क्यों चुना शूर्पणखा का किरदार

एक्ट्रेस ने एक्स पर भावुक नोट शेयर कर किया खुलासा

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा के किरदार में नजर आएंगी। अब इस किरदार के चयन को लेकर रकुल ने खुलकर बात की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर कुछ दिन पहले रिलीज हुआ और आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। रणबीर कपूर भगवान राम के रोल में नजर आए, वहीं साई पल्लवी सीता के किरदार में दिखीं।

फिल्म के भव्य सेट और किरदारों के लुक को लेकर इंटरनेट पर खूब चर्चा हुई। लेकिन जिस एक झलक ने सबको सबसे ज्यादा चौंकाया, वो थी रकुल प्रीत सिंह का शूर्पणखा वाला किरदार। उनके लुक और परफॉर्मेंस को लोगों से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला।

रकुल ने फैन के लेटर का दिया जवाब

हाल ही में एक फैन ने रकुल के लिए एक ओपन लेटर लिखा, जिसमें उन्हें दिवाली पर रिलीज हो रही फिल्म के लिए शुभकामनाएं दीं। फैन ने यह भी पूछा कि आखिर उन्होंने 'गलत समझे जाने वाले' किरदार शूर्पणखा को क्यों चुना।

यह लेटर रकुल तक पहुंचा और उन्होंने इसे अपने एक्स अकाउंट पर शेयर करते हुए जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'इस खूबसूरत लेटर के लिए धन्यवाद। आपने जो बात कही, वही वजह थी कि मैंने शूर्पणखा का रोल चुना उसकी जटिलता।

इतिहास उसे अक्सर सिर्फ एक पल के लिए याद करता है, लेकिन उसकी कहानी उससे कहीं ज्यादा है। एक एक्टर के तौर पर ऐसे किरदार, जो लोगों की सोच को चुनौती दें, सबसे ज्यादा दिलचस्प होते हैं। उम्मीद है कि जब 'रामायण' आएगी, तो दर्शक उसे खुले मन से देखेंगे।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'रामायण'?

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' दो भाग में रिलीज होगी। इसके पहले भाग का ट्रेलर बीते 24 जुलाई को रिलीज होने वाला था पर इसे टाल दिया गया। फिल्म इसी साल दिवाली के मौके पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल, रवि दुबे और यश मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

क्या सलमान खान ने कम की फिल्म 'एसवीसी63' के लिए फीस

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'एसवीसी63' की फीस से जुड़ी खबरों को आधिकारिक तौर पर गलत बताया है। उन्होंने बताया है कि फिल्म की शूटिंग कब तक पूरी होगी।

सलमान खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'एसवीसी63' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में खबर आई कि सलमान खान ने इस फिल्म की फीस घटाकर 70 करोड़ रुपये की है। हालांकि कुछ ही दिनों बाद मेकर्स ने फिल्म के लिए सलमान की फीस से जुड़ी अटकलों को आधिकारिक तौर पर खारिज कर दिया है। बॉलीवुड एक्टर 6 अगस्त से इस फिल्म का

अगला शेड्यूल शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं।

निर्माताओं ने अटकलों को बताया गलत

'एसवीसी63' बनाने वाले प्रोडक्शन हाउस, श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स ने सलमान खान की एक्टिंग फीस से जुड़ी खबरों को आधिकारिक तौर पर गलत बताया है। निर्माताओं ने इन अटकलों को 'पूरी तरह से मनगढ़ंत और तथ्यों के हिसाब से गलत' बताया है। उन्होंने कहा कि टीम का फोकस एक शानदार सिनेमाई अनुभव देने पर है।

मुंबई शूट में क्या होगा खास?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'एसवीसी63' के मेकर्स ने मुंबई में छह हफ्ते का शेड्यूल प्लान किया है। इस शेड्यूल में जबरदस्त एक्शन सीन और सैकड़ों जूनियर आर्टिस्ट के साथ भीड़ वाले कई सीक्वेंस शामिल होंगे। शुरू में इस शेड्यूल की शूटिंग हैदराबाद में करने का प्लान बनाया था। मगर बाद में इसे मुंबई शिफ्ट कर दिया गया।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इसके अलावा, 'एसवीसी63' के लिए मेकर्स का बड़ा शेड्यूल सितंबर तक चलेगा। उनका लक्ष्य अक्टूबर तक सलमान खान स्टारर इस फिल्म के एक्शन हिस्सों को पूरा करना है। इस प्रोजेक्ट को ईद 2027 पर सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान है। इसके निर्देशक वाम्शी पैडिपल्ली हैं।

यह नयनतारा के साथ सलमान का पहला प्रोफेशनल कोलैबोरेशन है।

महारानी सीजन 4 के लिए तैयारी शुरू, रानी भारती बनकर कब लौटेंगी हुमा कुरैशी?

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी की लोकप्रिय सीरीज महारानी के अब तक 3 सीजन आ चुके हैं। सोनी लिव पर आए इस राजनीतिक ड्रामा में उन्होंने रानी भारती का किरदार निभाकर खूब वाहवाही बटोरी। खबर है कि निर्माताओं ने सीरीज के चौथे सीजन को बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए मुख्य रचनात्मक टीम भी वापस आ रही है। इस हफ्ते से हुमा महारानी सीजन 4 की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, महारानी सीजन 4 का शूटिंग कार्य 6 अगस्त से शुरू किया जाएगा। अपने किरदार रानी भारती के रूप में अभिनेत्री फिर से वापसी करेंगी।

कुछ वक्त शूटिंग करने के बाद, हुमा थोड़े समय के लिए ब्रेक लेकर आगामी फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के प्रचार में जुटेंगी।

यश अभिनीत ये फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसमें हुमा के अलावा, कियारा आडवाणी, नयनतारा, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, टॉक्सिक के प्रचार अभियान के बाद, हुमा बाकी बची शूटिंग पूरी करने के लिए महारानी के सेट पर वापस लौटेंगी। हालांकि, नए सीजन के लिए किसी और कलाकार को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

कहानी को लेकर भी जानकारी को गुप्त रखा जा रहा है, हालांकि निर्माता जनवरी, 2027 में सीरीज को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

हुमा को आखिरी बार फिल्म बेबी डू डाई डू में देखा गया था।

'मुझे लगा था किसी को पता नहीं चलेगा'

रश्मिका मंदाना अपनी आगामी फिल्म 'मैसा' के सेट पर बीते दिनों घायल हो गईं। यह खबर जैसे ही सामने आई, अभिनेत्री के फैंस चिंतित हो उठे। सोमवार को खुद रश्मिका ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी हेल्थ पर अपडेट साझा करते हुए बताया कि चोट लगी कैसे? उन्होंने बताया कि ऐसा लगातार तीसरी बार हुआ है, जब उन्हें चोट लगी है।

बोलीं- 'मुझे समझना होगा कि मैं मशीन नहीं हूं'

रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी एक तस्वीर साझा की है और लंबा नोट लिखा है। एक्ट्रेस ने लिखा है, 'हैलो दोस्तों! चोट लगना बहुत बुरा होता है और मुझे सच में उम्मीद थी कि किसी को पता नहीं चलेगा। पर खैर..., माफ करना कि मैं गायब थी, लेकिन अब मैं वापस आ गई हूं। यह कुछ समय पहले हुआ था और यह मेरी लगातार तीसरी चोट है। मुझे यह सीख लेना चाहिए कि अपने शरीर को एक इंसान के शरीर की तरह समझूं, न कि किसी मशीन की तरह'।

कहां लगी है अभिनेत्री को चोट?

रश्मिका मंदाना ने आगे लिखा है, 'अब मुझे समझ नहीं आ रहा कि चोट को लेकर असल में कैसे समझाऊं? (बायोलॉजी टीचर को आने देते हैं)। दरअसल, कूल्हे (Hip) के दोनों तरह चार टेंडन होते हैं, जो कूल्हे को पैर से जोड़ते हैं। चोट लगने से मेरे दाहिने कूल्हे का एक टेंडन अलग हो गया था। उसे वापस जुड़ना होगा, ताकि मैं अपना पैर उठा सकूं और बाकी चीजें कर सकूं। यह चोट मुझे फिल्म 'Mysaa' के लिए मेरे डांस शूट के दौरान लगी। यह पक्का अब तक का मेरा सबसे जबर्दस्त डांस वाला काम था'।

बोलीं- 'जबर्दस्ती छुट्टी लेनी पड़ी'

रश्मिका ने आगे लिखा है, 'लेकिन चिंता मत करिए। दर्द तो है पर ऐसा नहीं कि सहा न जा सके... तो बस यही बात है... और मुझे लगता है कि भगवान कह रहे हैं कि अगर तुम पर छोड़ दिया जाए तो तुम कभी ब्रेक नहीं लोगी, इसलिए लो... मैं तुम्हारे लिए यह कर देता हूं। आपको पता है, ये सारी चोटें एकदम अचानक लगीं। ये सब अजीबो-गरीब हादसे थे। क्या ही इत्तेफाक है। जबर्दस्ती की छुट्टी। हालांकि, मैं कोई शिकायत नहीं कर रही। मैं बहुत सारे पजल सॉल्व कर रही हूं। मुझे पता ही नहीं था कि मैं इसमें इतनी अच्छी हूं।

रश्मिका मंदाना को सताई किस बात की चिंता?

रश्मिका को चोट लगने के बाद चिंता भी सता रही है कि कहीं उनका वजन न बढ़ जाए। उन्होंने लिखा है, 'वजन न बढ़ने देने की पूरी कोशिश कर रही हूं, क्योंकि मैं बहुत जोरदार वर्कआउट और रनिंग करती हूं, जिससे मैं अच्छी शेप में रहती हूं। अब मैं कुछ समय तक वर्कआउट या रनिंग नहीं कर पाऊंगी। अगर मैं वर्कआउट नहीं कर पाऊंगी तो क्या करूंगी? मैं खाऊंगी और डेजर्ट मॉन्स्टर बन जाऊंगी... तो बस। खैर, बस इतना ही... और क्या छूट गया. कुछ नहीं न... अगर कुछ हुआ तो जल्द ही बताऊंगी। आप सभी चिंता मत करना, ठीक है। आप सभी को ढेर सारा प्यार'।

अपनी दिनचर्या में लेमनग्रास को शामिल करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

लेमनग्रास एक ऐसा पौधा है, जो न केवल आपके खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह पौधा विटामिन-सी, पोटाशियम और मैंगनीज जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें ऐसे गुण होते हैं जो शरीर की सफाई और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं कि रोजमर्रा की गतिविधियों में लेमनग्रास को कैसे शामिल किया जा सकता है ताकि इसका भरपूर फायदा मिल सके।

सुबह की चाय में करें शामिल

सुबह की चाय में लेमनग्रास डालने से इसका स्वाद और पौष्टिकता दोनों बढ़ जाते हैं।

इसे बनाने के लिए एक पैन में पानी उबालें और उसमें कुछ ताजे लेमनग्रास के पत्ते डालें। इसे 5-10 मिनट तक उबलने दें, फिर इसे छानकर पिएं।

यह चाय न केवल आपको ताजगी देती है, बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है और शरीर को साफ करने में मदद करती है।

खाना बनाने में करें इस्तेमाल

लेमनग्रास का इस्तेमाल आप अपने खाने में भी कर सकते हैं। यह करी, सूप और सब्जियों में एक अनोखा स्वाद जोड़ता है।

इसे इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले लेमनग्रास के डंठल को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और फिर इन्हें अपने व्यंजन में डालें।

इससे न केवल खाने का स्वाद बढ़ेगा बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व भी मिलेंगे, जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हैं।

सुगंध चिकित्सा के लिए करें इस्तेमाल

लेमनग्रास का तेल सुगंध चिकित्सा में बहुत काम आता है। यह तनाव को कम करने और अच्छी नींद लाने में मदद करता है।

इसे इस्तेमाल करने के लिए एक सुगंध फैलाने वाले यंत्र में कुछ बूंदें लेमनग्रास तेल की डालें और इसे चालू कर दें।

अगर आपके पास यह यंत्र नहीं है तो एक कमरे में छिड़कने वाला घोल बना सकते हैं। इसके लिए पानी में कुछ बूंदें लेमनग्रास तेल मिलाकर बोतल में भर लें और कमरे में छिड़काव करें।

त्वचा की देखभाल में सहायक

लेमनग्रास तेल त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह त्वचा की सफाई करता है, रोमछिद्रों को खोलता है और त्वचा की चमक बढ़ाता है।

इसे इस्तेमाल करने के लिए एक चम्मच नारियल तेल में 2-3 बूंदें लेमनग्रास तेल मिलाएं और इसे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मालिश करें, फिर गुनगुने पानी से धो लें।

यह उपाय त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करता है, जिससे आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहती है।

बालों की देखभाल करने वाला है

लेमनग्रास तेल बालों की देखभाल करने में भी मदद करता है। यह सिर की खुजली को दूर करने, बालों की जड़ों को मजबूत बनाने और उन्हें चमकदार बनाता है।

इसके लिए एक चम्मच नारियल तेल में 2-3 बूंदें लेमनग्रास तेल मिलाएं और इसे अपने सिर की मालिश करें, फिर शैंपू से धो लें।

इस तरह आप आसानी से अपने रोजमर्रा की गतिविधियों में लेमनग्रास को शामिल कर सकते हैं और इसका भरपूर फायदा उठा सकते हैं।

सेवा सेतु पोर्टल से आसान हुआ विवाह पंजीयन, बड़े बचेली के दंपतियों को मिला योजनाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन का सेवा सेतु पोर्टल ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय सेवाओं को आसान, पारदर्शी और सुलभ बना रहा है। दंतेवाड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत बड़े बचेली में विवाह पंजीयन की सुविधा से कई परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

पहले विवाह प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं और आवश्यक दस्तावेजी कार्यों में परेशानी होती थी। प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दूर स्थित कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और धन दोनों खर्च होते थे। ग्राम पंचायत स्तर पर चलाए गए जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को सेवा सेतु पोर्टल पर विवाह पंजीयन की ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत सचिव प्रियंका दीवान और सरपंच गोविंद कुंजाम के मार्गदर्शन में पात्र दंपतियों ने आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन किया। सत्यापन के बाद उन्हें विवाह प्रमाण पत्र जारी किए गए। ग्राम पंचायत बड़े बचेली के निवासी जोगाराम और श्रीमती अमवती नाग ने बताया कि विवाह प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण उन्हें कई शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई होती थी। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने के बाद उन्हें आसानी से विवाह प्रमाण पत्र मिल गया। अब विभिन्न शासकीय कार्यों में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती।

इसी तरह श्रीमती सुषमा तामो और श्री संतोष ने बताया कि पहले उन्हें विवाह पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी नहीं थी। ग्राम पंचायत के सहयोग से उन्होंने सेवा सेतु पोर्टल पर आवेदन किया और निर्धारित समय में विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया। अब उन्हें दस्तावेज बनवाने के लिए बार-बार कार्यालय नहीं जाना पड़ता, जिससे समय और पैसे दोनों की बचत हुई है। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा से पूरी प्रक्रिया सरल, त्वरित और पारदर्शी बनी है। बड़े बचेली के ग्रामीणों का डिजिटल सेवाओं के प्रति विश्वास भी बढ़ा है और वे अन्य शासकीय सेवाओं के लिए भी ऑनलाइन माध्यम का उपयोग करने लगे हैं।

ग्राम पंचायत बड़े बचेली में विवाह पंजीयन की यह पहल डिजिटल सुशासन का सफल उदाहरण बन गई है। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ग्रामीणों को घर के पास ही आवश्यक शासकीय सेवाएँ मिल रही हैं, जिससे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर लोगों तक पहुँच रहा है।

खास-खबर

दिव्यांग राखी ने पैरों से लिखकर 10वीं बोर्ड परीक्षा में प्रथम श्रेणी हासिल की

रायपुर। दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास के सामने शारीरिक चुनौतियां भी छोटी पड़ जाती हैं। बस्तर जिले के ग्राम बेंगलूर की रहने वाली कुमारी राखी नाग ने इसी संकल्प का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। जन्म से लोकोमोटर दिव्यांगता से प्रभावित राखी अपने दोनों हाथों का उपयोग नहीं कर पाती हैं, लेकिन उन्होंने अपने दाहिने पैर से लिखकर छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं बोर्ड परीक्षा में 73.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, नानगुर की छात्रा राखी नाग अपनी दैनिक पढ़ाई से लेकर परीक्षा तक का पूरा कार्य दाहिने पैर से लिखकर करती हैं। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी अपने सपनों को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनके पिता धनसिंह नाग, जो एक गैस एजेंसी में मजदूरी करते हैं, तथा माता चौती नाग ने आर्थिक चुनौतियों के बावजूद बेटी की शिक्षा को प्राथमिकता दी और हर कदम पर उसका हौसला बढ़ाया।

नैनो डीएपी ने बदली खेती की तस्वीर, बंजी के सिया बाई और राय सिंह को मिली सफलता

रायपुर। समय के साथ कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाकर किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन हासिल कर सकते हैं। इसका उदाहरण मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम बंजी के प्रगतिशील किसान सिया बाई और राय सिंह ने प्रस्तुत किया है। दोनों किसानों ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, चौनपुर से इफ्को नैनो डीएपी प्राप्त कर अपनी फसल में इसका प्रयोग किया और इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। पारंपरिक डीएपी उर्वरक के अपेक्षाकृत अधिक उपयोग से खेती की लागत बढ़ने के बीच नैनो डीएपी के प्रयोग से कम मात्रा में फसल को प्रभावी पोषण उपलब्ध कराने में मदद मिली। किसानों के अनुसार फसल की बढ़वार संतुलित रही, पौधों में हरियाली बनी रही और जड़ों का विकास भी बेहतर दिखाई दिया। इसका असर फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन पर भी नजर आया।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हो रहा हर घर, बढ़ रही बचत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता

श्रीकंचनपथ न्यूज

स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ते कदम, समृद्ध और हरित कल का निर्माण

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर, पर्यावरण-अनुकूल और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है। यह योजना आम नागरिकों को स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ-साथ बिजली व्यय में कमी और घरेलू बचत बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कर परिवारों को स्वच्छ ऊर्जा का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में इस महत्वाकांक्षी योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। राज्य सरकार की सक्रिय पहल से कोरबा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में अधिकाधिक परिवार इस योजना से जुड़कर बिजली बिल में बचत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता तथा हरित भविष्य की दिशा में उल्लेखनीय कदम बढ़ा रहे हैं।

इसी क्रम में कोरबा शहर के पोड़ीबहार निवासी सुरेश सिंह भी योजना का लाभ लेकर स्वच्छ ऊर्जा को अपनाते हुए बिजली बचत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक पहल कर रहे हैं। योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराया। संयंत्र से मिलने वाले लाभ, बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी तथा सकारात्मक अनुभव को देखते हुए उन्होंने बाद में एक और 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप संयंत्र लगवाया। वर्तमान में उनके घर में कुल 6 किलोवाट क्षमता का सोलर संयंत्र स्थापित है, जिससे उनका घर स्वच्छ एवं सौर ऊर्जा से संचालित हो रहा है। श्री सिंह ने बताया कि सोलर संयंत्र स्थापित होने के बाद उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है और अब उनका बिजली बिल माइनस (क्रेडिट) में आने लगा है। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों से उन्हें बिजली बिल से संबंधित किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा है। पहले जहां हर महीने बिजली बिल की चिंता बनी रहती थी, वहीं अब वे न केवल बिजली खर्च में बचत कर रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त उत्पादित बिजली का भी लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इससे उनके परिवार की मासिक बचत में वृद्धि हुई है और आर्थिक रूप से भी उन्हें काफी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई सब्सिडी के कारण सोलर संयंत्र की स्थापना सरल और किफायती हो सकी। योजना ने उन्हें स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित किया और आज वे स्वयं को पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों का सहभागी मानते हैं। उनका कहना है कि सौर ऊर्जा का उपयोग केवल बिजली बिल कम करने का माध्यम नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुरेश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना से आर्थिक बचत के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है और लोगों को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुस्कुराता बस्तर कार्यशाला में बच्चों की कला ने बिखेरे रंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर की समृद्ध संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता और सकारात्मक पहचान को कला के माध्यम से नई पहचान देने के उद्देश्य से जगदलपुर में आयोजित 'मुस्कुराता बस्तर' कार्टून कैनवास कार्यशाला में स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को कैनवास पर उतारकर रचनात्मक प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से आए वरिष्ठ कार्टूनिस्टों और कला विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को कार्टून और कैरिकेचर बनाने की बुनियादी तकनीकें सिखाईं। उन्होंने बताया कि किसी भी चित्र की अच्छी शुरुआत सही सर्किल बनाने से होती है। इसके साथ ही रफ स्केच, आउटलाइन, रंगों के चयन और चेहरे के भावों को प्रभावी ढंग से चित्रित करने के तरीके भी बच्चों को सरल भाषा में समझाए गए। स्वामी आत्मानंद स्कूल के छात्र वंश साहू ने बताया कि इस प्रशिक्षण से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और कला के प्रति उनकी रुचि और मजबूत हुई है। सेजेस शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 की छात्राएं भारती पांडे और पूनम ध्रुव ने कहा कि पहले उन्हें चित्र बनाने की सही शुरुआत की जानकारी नहीं थी, लेकिन विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से अब वे आसानी से कार्टून और कैरिकेचर बना पा रही हैं। सेजेस नानगुर की छात्राएं अंजलि नाग और नैना मरकाम तथा सेजेस जगदलपुर की छात्रा अक्षिता बाजपेई ने बताया कि वरिष्ठ कलाकारों का मार्गदर्शन उनकी कल्पनाशीलता को नई दिशा देगा और कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। यह कार्यशाला बच्चों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ कला के माध्यम से बस्तर की शांतिपूर्ण, रचनात्मक और मुस्कुराती हुई पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

अब नहीं थकेंगे बेटियों के कदमः सरस्वती साइकिल योजना ने दी सपनों को नई रफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं को विद्यालय से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में संचालित सरस्वती साइकिल योजना छात्राओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के तहत बलरामपुर जिले में कक्षा 9वीं की 120 छात्राओं को निशुल्क साइकिल वितरित की गई, जिससे अब उनकी पढ़ाई का सफर अधिक सुरक्षित, आसान और समयबद्ध हो सकेगा।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई। साइकिल प्राप्त करते ही छात्राओं के चेहरों पर आत्मविश्वास और खुशी साफ दिखाई दी।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दूरी, आर्थिक कठिनाई या संसाधनों की कमी कभी भी बेटियों की शिक्षा में बाधा न बने। उन्होंने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना विशेष रूप से दूरस्थ अंचलों की छात्राओं के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। इससे वे समय पर विद्यालय पहुंच सकेंगी, सुरक्षित आवागमन कर सकेंगी और पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे पाएंगी।

विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि आठवीं के बाद विद्यालय की दूरी कई छात्राओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन जाती थी। कई बेटियों को प्रतिदिन 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलकर विद्यालय पहुंचना पड़ता था, जिससे उनकी नियमित उपस्थिति और पढ़ाई प्रभावित होती थी।

पेसा और एफआरए टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजातिय क्षेत्र में पंचायत अनुसूचित क्षेत्र विस्तार अधिनियम (पेसा) और वन अधिकार अधिनियम के तहत समन्वय से वनवासियों के हित में साझा जल-जंगल के बेहतर प्रबंधन से कार्य किया जाएगा।

इस संबंध में यहां मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में पेसा और एफआरए टास्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जल, जंगल, जमीन के संसाधनों का बेहतर प्रबंधन छत्तीसगढ़ राज्य हो तथा वनवासियों के लिए योजनाओं का क्रियान्वयन हो इस संबंध में मुख्य सचिव ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सभी पात्र व्यक्तियों को वन अधिकार अधिनियमों के अनुसार वन संसाधन अधिकार पत्र दिए जायें। बैठक में वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून के क्रियान्वयन के संबंध में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। टास्क फोर्स की बैठक में छत्तीसगढ़ पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम, प्रावधान एवं क्रियान्वन की स्थिति की जानकारी प्रस्तुत की गई। इसी तरह से वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत राज्य में प्राप्त निराकृत एवं लंबित दावों, आवेदनों की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकारों की मान्यता में हुई प्रगति तथा वन ग्रामों के राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन की प्रगति की जानकारी विभागीय अधिकारियों ने दी।

बैठक में अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियमों के क्रियान्वयन की जानकारी का प्रस्तुतीकरण किया गया। इसी तरह से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ पेसा नियम के क्रियान्वयन के संबंध में भी प्रस्तुतिकरण दिया गया।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, पीसीसीएफ अरूण पाण्डेय, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव शम्मी आबिदी सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी शामिल हुए।

वैज्ञानिक खेती का कमालः घुटरा की विमला दीदी ने बरबटी उत्पादन में रचा नया कीर्तिमान

मचान विधि से बदली किस्मतः घुटरा की विमला दीदी बनीं महिला किसानों के लिए प्रेरणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी पारंपरिक खेती तक सीमित रहने वाली मनेन्द्रगढ़ जिले के ग्राम घुटरा की विमला दीदी आज वैज्ञानिक खेती की मिसाल बन चुकी हैं। इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर (आईएफसी) के सहयोग से उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर न केवल अपनी खेती को अधिक लाभकारी बनाया, बल्कि आसपास की महिला किसानों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन गई हैं।

आईएफसी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन के माध्यम से विमला दीदी सहित महिला किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें मचान विधि से बरबटी की खेती करने की तकनीक सिखाई गई। इस वैज्ञानिक पद्धति को अपनाने के बाद उनकी खेती में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला।

मचान विधि के कारण बरबटी की बेलों को पर्याप्त सहारा मिला, जिससे पौधों का विकास बेहतर हुआ। फसल को भरपूर धूप और वायु संचार मिलने से पौधे अधिक स्वस्थ रहे तथा रोग एवं कीटों का प्रकोप भी काफी कम हुआ। परिणामस्वरूप बरबटी की फलियां लंबी, आकर्षक और बेहतर गुणवत्ता वाली तैयार हुईं, जिससे बाजार में उनकी अच्छी मांग बनी।

इस तकनीक का एक बड़ा लाभ यह भी रहा कि फसल की तुड़ाई पहले की अपेक्षा अधिक आसान और सुविधाजनक हो गई। खेत में कार्य करने में समय और श्रम दोनों की बचत हुई, जबकि उत्पादन में वृद्धि होने से आर्थिक लाभ भी बढ़ा। बेहतर गुणवत्ता के कारण उत्पाद को उचित मूल्य मिला, जिससे विमला दीदी की आय में सकारात्मक बढ़ोतरी हुई।

विमला दीदी का कहना है कि आईएफसी द्वारा दिए गए प्रशिक्षण ने उनकी खेती करने का नजरिया बदल दिया। पहले जहां वे पारंपरिक तरीकों पर निर्भर थीं, वहीं अब वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर अधिक उत्पादन और बेहतर गुणवत्ता प्राप्त कर रही हैं। उनका मानना है कि यदि किसान नई तकनीकों को सीखकर अपनाएं, तो कम संसाधनों में भी बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

आज विमला दीदी की सफलता आसपास के गांवों की महिला किसानों के लिए प्रेरणा बन गई है। उनकी उपलब्धि यह साबित करती है कि सही प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर महिलाएं भी खेती को लाभकारी व्यवसाय में बदल सकती हैं।

इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर (आईएफसी) की यह पहल महिला किसानों को वैज्ञानिक खेती से जोड़ने, उनकी आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो रही है। घुटरा की विमला दीदी की यह सफलता दर्शाती है कि आधुनिक तकनीक, मेहनत और सही मार्गदर्शन के साथ खेती में नई संभावनाओं के द्वार खोले जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन बनी आमजन के लिए भरोसेमंद सहारा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रदेश के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनती जा रही है। बलरामपुर जिले के ग्राम भेण्डरी निवासी गायत्री यादव को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिला, जब राशन कार्ड के लिए लगभग 10 महीने से लंबित उनका आवेदन हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज होने के बाद शीघ्र ही निराकृत कर दिया गया। गायत्री यादव ने बताया कि राशन कार्ड नहीं बनने के कारण उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले खाद्यान्न और कई शासकीय योजनाओं के लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। लंबे समय तक आवेदन लंबित रहने पर उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई।

खास खबर

करंट लगने से दो मजदूरो की मौके पर मौत

बिलासपुर। बिलासपुर शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्तूरबा नगर में मंगलवार शाम एक दर्दनाक हादसे में दो मजदूरों की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। निर्माणाधीन मकान की छत पर काम के दौरान दोनों युवक ऊपर से गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गए। सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस और बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची। बता दें कि शाम करीब चार बजे कस्तूरबा नगर स्थित अनूप सिंह के निर्माणाधीन मकान में छत पर काम चल रहा था। इसी दौरान वहां मजदूरी कर रहे दो युवक अचानक मकान के बेहद करीब से गुजर रही 11 केवी बिजली लाइन की चपेट में आ गए। इस बीच करंट लगते ही दोनों गंभीर रूप से झुलस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों की पहचान भूपेंद्र साहू (45) पिता लखन लाल साहू व रवि बंजारे (40) निवासी अशोक नगर, डीएलएस कॉलेज के पास सरकंडा के रूप में की है।

चारपाई के नीचे छिपा मिला चोर, लोगों ने पुलिस को सौंपा

कोरबा। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में देर रात चोरी की नीयत से एक घर में घुसे युवक को परिजनों और स्थानीय लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। युवक पूरी रात घर में चारपाई के नीचे छिपा रहा। सुबह डायल-112 की टीम उसे हिरासत में लेकर थाने पहुंची। घटना के बाद इलाके में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों को लेकर लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। चोरी की कोशिश उस समय नाकाम हो गई, जब एक संदिग्ध युवक घर के भीतर घुसने के बाद परिजनों के हत्थे चढ़ गया। घरवालों ने उसे पकड़कर पूरी रात निगरानी में रखा और सुबह पुलिस के हवाले कर दिया।

खेत में मिली महिला की लाश की गुत्थी सुलझी, प्रेमी ने की थी हत्या

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के कोटमीकला क्षेत्र में खेत में मिले अज्ञात महिला के शव मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया कि अवैध संबंध को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी ने महिला की गला घोंटकर हत्या कर दी और पहचान छिपाने के लिए शव को खेत में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त गमछा भी बरामद कर लिया है। कोटमीकला चौकी क्षेत्र के ग्राम सेखवा में खेत से मिले महिला के शव की गुत्थी आखिरकार पुलिस ने सुलझा ली है। मामले की जांच में पता चला कि अवैध संबंधों को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी ने महिला की गला घोंटकर हत्या की और शव को खेत में फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसका मृतका के साथ अवैध संबंध था। दोनों के बीच विवाद होने पर उसने गमछे से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद पहचान छिपाने की नीयत से शव को सेखवा गांव के खेत में फेंक दिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया सफेद गमछा भी बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

दुर्ग में पुलिस ने बहा दी 45 लाख की शराब, 112 मामलों में की गई थी जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने मंगलवार को विभिन्न थानों में जब्त लगभग 45 लाख रुपए की शराब को नष्ट कर दिया। जब्त शराब के बदबू से थाने में आने वाले आमजनों को बहुत ही परेशानी हो रही थी जिसको देखते हैं उसके नस्तीकरण का निर्णय लिया गया। आबकारी अधिनियम के कुल 112 प्रकरणों में न्यायालयीन प्रक्रिया पूर्ण होने के 5480.082 बल्क लीटर शराब का कलेक्टर द्वारा गठित नष्टीकरण समिति की उपस्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुरक्षित निस्तारण किया गया। नष्टीकरण की संपूर्ण कार्रवाई नगर पुलिस अधीक्षक छावनी, थाना प्रभारी जामुल, नायब तहसीलदार, आबकारी उपनिरीक्षक एवं अन्य दुर्ग जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में

आबकारी अधिनियम के अंतर्गत पंजीबद्ध प्रकरणों में जप्त ऐसी मदिरा, जो न्यायालयीन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाई गई, उसके विधिवत थाना परिसर जामुल में नष्टीकरण की कार्रवाई मंगलवार को संपन्न की गई। न्यायालयीन आदेशों एवं प्रचलित वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप जप्त मदिरा को कलेक्टर महोदय द्वारा गठित नष्टीकरण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इस कार्रवाई के अंतर्गत कुल 112 प्रकरणों में जप्त 5480.082 बल्क लीटर मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त मदिरा, जिसका वर्तमान अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 45 लाख है, का विधिवत निस्तारण किया गया।

45 करोड़ दिलाने के नाम पर 1.13 करोड़ ठगे : नागपुर से दो युवती अरेस्ट

केमिकल से नकली नोटों को असली में बदलकर दिखाया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बालोद जिले की सालिक ग्रीन रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर उमेश कुमार सिन्हा ने शिकायत में बताया कि कंपनी विस्तार के लिए 45 करोड़ रुपए के निवेश की जरूरत थी। इसी दौरान आरोपियों ने खुद को प्रभावशाली लोगों और विदेशी निवेशकों से जुड़ा बताकर निवेश दिलाने का भरोसा दिलाया।

आरोपियों ने बड़े अधिकारियों से मुलाकात, फाइल प्रोसेसिंग, सुरक्षा मंजूरी और विदेशी जांच जैसे बहाने बनाए। भरोसा दिलाने के लिए पीड़ित को चेन्नई और नागपुर बुलाया गया, जहां केमिकल से काले नोटों को असली नोट में बदलकर दिखाया। इसके बाद अलग-अलग बहाने बनाकर किश्तों में 1.13 करोड़ रुपए ले लिए।

मोबाइल नंबर और बैंक खातों से हुई पहचान

शिकायत मिलने के बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और तेलीबांधा थाना पुलिस ने मोबाइल नंबर, बैंक खातों और डिजिटल सबूतों की जांच की। जांच में 2 महिला आरोपियों की पहचान हुई, जिन्हें नागपुर से गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कनिज फातमा उर्फ भावना पांडेय (कोलकाता) और दीपिका पालीवाल (उदयपुर, राजस्थान) के रूप में हुई है। उनके पास से 3 मोबाइल फोन, 26 हजार कैश, एटीएम कार्ड और आधार कार्ड जब्त किए गए हैं। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि यह गिरोह नागपुर, लखनऊ समेत कई राज्यों में इसी तरह की ठगी कर चुका है। पुलिस अन्य राज्यों से भी जानकारी जुटा रही है। मामले में शामिल बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

खेप आने का बहाना बनाकर टालते रहे आरोपी

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि रकम मिलने के बाद आरोपी लगातार नकली नोटों की खेप तैयार होने, सुरक्षा व्यवस्था और डिलीवरी में देरी का हवाला देकर कारोबारी को टालते रहे। काफी समय बीतने के बाद भी न तो नकली नोट मिले और न ही एडवांस की रकम वापस की गई। इसके बाद पीड़ित ने तेलीबांधा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

फिल्म देखने के विवाद में पत्नी की हत्या, पति को आजीवन कारावास

कोरबा। कोरबा में फिल्म देखने जाने को लेकर हुए विवाद में पत्नी की हत्या करने वाले पति को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार नन्दे की अदालत ने करीब एक साल बाद यह फैसला सुनाया। आरोपी का नाम अभिनेक कुमार लदेर है।

आरोपी अभिनेक कुमार लदेर और सुषमा खुसरो की पहचान वर्ष 2023 में हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध था। 5 मई 2024 को उन्होंने बिलासपुर के आर्य समाज मंदिर में शादी की। इसके बाद दोनों कोरबा के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, गोकुल नगर स्थित किराए के मकान में रहने लगे। घटना 22 जुलाई 2025 की है। सुषमा ने पति से निहारिका टॉकीज में फिल्म देखने चलने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद सुबह करीब 11 बजे अभिनेक अपने काम के लिए ट्रांसपोर्ट नगर स्थित केनरा बैंक चला गया।

दोपहर करीब 3 बजे जब अभिनेक घर लौटा तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। खिड़की से देखने पर कमरे से धुआं निकलता दिखाई दिया। पड़ोसियों की मदद से बालकनी के रास्ते अंदर पहुंचने पर पत्नी का शव आग से बुरी तरह जला हुआ मिला। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की। विवेचना में सामने आया कि विवाद के बाद अभिनेक ने तकिए से पत्नी का मुंह और नाक दबाकर उसकी हत्या कर दी। साक्ष्य मिटाने के लिए कमरे में कागज और कपड़े इकट्ठा कर आग लगा दी।

26 जुलाई को आरोपी अभिनेक कुमार लदेर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। अब अदालत ने मामले में आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

सूने मकानों में चोरी करने वाला गिरफ्तार खंडहर से बरामद हुआ चोरी का सामान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी बाइक-स्कूटी चोरी करने के साथ ही सूने मकानों को भी निशाना बनाता था। चोरी का सामान बेचने के लिए ग्राहक तलाशते समय पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में कई चोरी के मामलों का खुलासा हुआ।

मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि युवक चोढ़ा चौक के पास चोरी का सामान बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम करन चौहान (21) निवासी गांधीनगर मदनपुर, थाना खरसिया बताया। उसने अपने पास मौजूद सामान के चोरी का होने की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद उसे थाने लाकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने खरसिया क्षेत्र में कई चोरी की वारदातों को अंजाम देना कबूल किया।

आरोपी ने बताया कि 12 जुलाई को उसने उत्तम ढाबा, खरसिया से एक एक्टिवा स्कूटी चोरी की थी, जिसे बाद में रेलवे साइडिंग के पास छोड़ दिया। इसके बाद 23 जुलाई को ग्राम बासमुड़ा से चाबी लगी टीवीएस जुपिटर स्कूटी चोरी की।

29 जुलाई को मदनपुर बस्ती के अलग-अलग घरों से तीन खाली गैस सिलेंडर और 1 अगस्त को ग्राम पतरापाली के एक घर से चार्जिंग पर लगा मोबाइल भी चोरी किया।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने चोरी का अधिकांश सामान मदनपुर चौक के पास स्थित एक खंडहर में छिपाकर रखा है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने वहां से फैशन प्रो मोटरसाइकिल, टीवीएस जुपिटर स्कूटी, एक अन्य स्कूटी, मोबाइल, तीन खाली गैस सिलेंडर और सीसीटीवी का डीवीआर बॉक्स बरामद किया। जब्त संपत्ति की कुल कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई गई है।

आरोपी ने चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवर भी उसी स्थान पर छिपाने की बात कही, लेकिन तलाशी के दौरान जेवर बरामद नहीं हो सके। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले में अन्य चोरी की वारदातों को लेकर जांच जारी है।

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि संपत्ति संबंधी अपराधों के मामलों में पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है। खरसिया थाना के अलावा जूटमिल, कोतरारोड़, चक्रधरनगर, भूपदेवपुर और धरमजयगढ़ थाना क्षेत्रों में भी चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई से कई चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है।

पत्थलगांव में 21.5 किलो गांजा जब्तः 16 लाख का माल बरामद

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। जशपुर पुलिस ने 'ऑपरेशन आघात' के तहत पत्थलगांव थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक टाटा नेक्सन कार से 21 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 16 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस की घेराबंदी देख तस्कर कार छोड़कर फरार हो गए।

यह घटना 3 अगस्त 2026 की सुबह करीब 4:30 बजे हुई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सफेद रंग की टाटा नेक्सन में भारी मात्रा में गांजा रैरूमा-लैलूंगा से पत्थलगांव होते हुए अंबिकापुर ले जाया जा रहा है।

सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर इंदिरा चौक के पास नाकाबंदी की गई। संदिग्ध कार वहां पहुंची, जिसे रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी और अंबिकापुर रोड की ओर भाग निकला। पुलिस टीम ने तत्काल उसका पीछा किया।

पीछा करने के दौरान कदम घाट के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। दुर्घटना के बाद वाहन सवार तस्कर कार छोड़कर मौके से फरार हो गए। गवाहों की मौजूदगी में पुलिस ने वाहन की तलाशी ली, जिसमें डिक्की में रखे तीन बैगों से पीले प्लास्टिक टेप से लिपटे 11 पैकेटों में कुल 21 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपए और टाटा नेक्सन कार की कीमत करीब 6 लाख रुपये बताई गई है, जिससे कुल 16 लाख रुपए की जब्ती हुई है। पुलिस ने वाहन से आधार कार्ड सहित कुछ अन्य दस्तावेज भी बरामद किए हैं, जिनके आधार पर फरार आरोपियों की पहचान और तलाश की जा रही है।

इस मामले में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)के तहत केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस ने जल्द ही फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि जशपुर पुलिस का ऑपरेशन आघात नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार जारी है। पत्थलगांव क्षेत्र में 21 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है और ऐसे अपराधों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

कपड़ा दुकान में लगी आग, 50 लाख से अधिक का नुकसान

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के स्टेट बैंक रोड स्थित एक कपड़ा दुकान में भीषण आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। दमकल और स्थानीय लोगों की घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार कारोबारी को 50 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। नगर के व्यस्त स्टेट बैंक रोड पर मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे एक कपड़ा दुकान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। जब तक आग बुझाने का प्रयास शुरू होता, दुकान में रखा कपड़ा, फर्नीचर और अन्य सामान जलकर राख हो चुका था। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सका। रामानुजगंज नगर में एक सप्ताह के भीतर आगजनी की यह दूसरी बड़ी घटना है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 30.07.2026

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 14.08.2026 तक आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा आमंत्रण सू.क्र. / सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)	आमंत्रण
246 / 196440	उपसंभाग क्र. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों एम.ओ.डब्ल्यू का कार्य (जोनल एजेन्सी)	30.00	द्वितीय
247 / 196441	उपसंभाग क्र. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों एम.ओ.डब्ल्यू का कार्य (जोनल एजेन्सी)	30.00	द्वितीय
248 / 196443	छुईखदान उपसंभाग अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में लघुमूल गौण कार्य (जोनल एजेन्सी)	12.50	द्वितीय
249 / 196444	खैरागढ़ उपसंभाग अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में लघुमूल गौण कार्य (जोनल एजेन्सी)	12.50	द्वितीय
250 / 196445	छुईखदान उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में विशेष मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	25.00	द्वितीय
251 / 196446	उपसंभाग खैरागढ़ के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में इमल्शन सहित डब्ल्यू. एम.एम. एवं बी.टी.पेच रिपेयर कार्य	25.00	तृतीय
252 / 196447	खैरागढ़ ब्लॉक के घोंघे डबरी से चिचोला मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/6(100), 1/10 से 2/2,2/6 कुल लंबाई 1.00 कि.मी. में विशेष मरम्मत कार्य	11.97	चतुर्थ
253 / 196448	उपसंभाग पंडरिया के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	13.12	द्वितीय
254 / 196449	कवर्धा जिला कबीरधाम के आई.टी.आई. छात्रावास भवन के शेष निर्माण कार्य	43.41	द्वितीय
255 / 196450	कवर्धा जिला कबीरधाम के आई.टी.आई. मुख्य भवन के शेष निर्माण कार्य	50.31	द्वितीय
256 / 196451	लोक निर्माण विभाग संभाग कवर्धा के अंतर्गत विभिन्न सड़को एवं पुल-पुलियों में साधारण मरम्मत कार्य	24.99	द्वितीय
257 / 196452	लोक निर्माण विभाग संभाग कवर्धा के अंतर्गत सड़क मरम्मत, पुल-पुलिया मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य	50.00	द्वितीय
258 / 196453	डोंगरगढ़ में न्यायिक अधिकारी कर्मचारी हेतु ई टाईप आवास गृह का निर्माण कार्य	49.68	पंचम

टीप- 1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

जी- 262702530/7

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

कोरबा में प्रतिबंध के बाद भी रेत परिवहन, 12 वाहनों को किया जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। बारिश के सीजन में नदी-नालों से रेत खनन और परिवहन पर प्रतिबंध के बावजूद जिले के शहरी, उपनगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से रेत खनन, परिवहन और भंडारण के मामले सामने आ रहे हैं। निर्माण कार्यों के लिए रेत की बढ़ती मांग के चलते तस्कर ट्रैक्टरों के माध्यम से रेत का परिवहन कर रहे हैं।

इधर, खनि प्रशासन के उप संचालक प्रमोद नायक के मार्गदर्शन में उड़नदस्ता टीमों द्वारा संभावित क्षेत्रों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अवैध परिवहन में लगे 12 वाहनों को जब्त किया।

खनिज विभाग के अनुसार राताखार क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन करते तीन ट्रैक्टर, बरमपुर में एक, कसरेगा में दो, सुराकछार में एक और पाली में एक ट्रैक्टर पकड़ा गया। वहीं भिलाई बाजार में दो ट्रैक्टर और एक टीपर रेत परिवहन करते मिले।

इसके अलावा कापूबहरा में अवैध रूप से मिट्टी परिवहन करते एक टीपर को भी जब्त किया गया। जब्त वाहनों को संबंधित क्षेत्रों के नजदीकी थाना परिसरों में सुरक्षार्थ रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

बेखौफ बदमाशों का आतंक! देर रात दोपहिया वाहनों को लगाई आग

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। धमतरी के आमापारा वार्ड में देर रात अज्ञात बदमाश ने घर के बाहर खड़े तीन दोपहिया वाहनों में आग लगा दी। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने आग बुझाई, लेकिन तब तक वाहन जल चुके थे। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है।

धमतरी शहर में बदमाशों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। आए दिन मारपीट, चाकूबाजी और अन्य आपराधिक घटनाएं सामने आ रही हैं। हालात ऐसे हैं कि बदमाशों में न पुलिस का डर दिखाई दे रहा है और न ही जेल जाने का भय। लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं से आम लोग दहशत के माहौल में जीने को मजबूर हैं।

सोमवार देर रात एक और सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां अज्ञात बदमाश ने तीन दोपहिया वाहनों में आग लगा दी। स्थानीय लोगों ने वाहन मालिक को सूचना दी और किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक तीनों वाहन बुरी तरह जल चुके थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, धमतरी कोतवाली थाना क्षेत्र के आमापारा वार्ड में अज्ञात बदमाश ने घर के बाहर खड़े तीन दोपहिया वाहनों को आग के हवाले कर दिया। आग लगने के बाद आसपास के लोगों को जलने की बदबू महसूस हुई। बाहर निकलकर देखा तो आग विकराल रूप ले चुकी थी। इसके बाद लोगों ने मिलकर किसी तरह आग बुझाई और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस देर रात मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक आशंका है कि किसी पुरानी रंजिश के चलते वाहनों में आग लगाई गई हो। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात आरोपी की तलाश में जुटी है।

वाहन मालिक ने बताई पूरी घटना

वाहन मालिक विकास मीनपाल ने बताया कि रात में खाना खाने के बाद परिवार के साथ सो गए थे। देर रात पड़ोसियों का फोन आया कि उनकी मोटरसाइकिल में आग लगी हुई है। बाहर निकलकर देखा तो मोटरसाइकिल पूरी तरह जल चुकी थी।

पड़ोसियों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दो वाहन पूरी तरह जल चुके थे, जबकि तीसरा वाहन भी आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गया। मामले की शिकायत सिटी कोतवाली थाने में दर्ज करा दी गई है।

संत रविदास ने समरसता, समानता और भक्ति का जो मार्ग दिखाया वही विकसित और सशक्त भारत की आधारशिला : मुख्यमंत्री साय

- संत रविदास जयंती पर अगले वर्ष माघी पूर्णिमा को रहेगा सार्वजनिक अवकाश, मांस एवं मदिरा बिक्री होगी प्रतिबंधित
- जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर से आए पवित्र कलश का किया वंदन, जिलों के प्रतिनिधियों को सौंपे कलश, गांव-गांव तक अभियान के लिए वाहनों को दिखाई हरी झंडी

संत रविदास के नाम पर राज्य अलंकरण पुरस्कार और नवा रायपुर में प्रमुख चौक का होगा नामकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज का जीवन समरसता, समानता, भक्ति, श्रम और सामाजिक न्याय का अमर संदेश है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने सदियों पहले थे। संत रविदास ने समाज को ऊंच-नीच, भेदभाव और छुआछूत से ऊपर उठकर मानवता, समान अधिकार और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया। यही मार्ग विकसित, समरस और सशक्त भारत की आधारशिला है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कलश वंदन महाअभियान के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास की जन्मस्थली से लाए गए पवित्र मिट्टी एवं जल से भरे कलश को श्रद्धापूर्वक अपने मस्तक पर धारण कर संत रविदास के छायाचित्र के समक्ष स्थापित किया। मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजन-अर्चन कर संत रविदास को नमन किया तथा इसे सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया।

'विकास भी, विरासत भी' हमारा मार्गदर्शक मंत्र

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री का विकास भी, विरासत भी का संदेश देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर के संरक्षण का मार्गदर्शक मंत्र है। उन्होंने कहा कि संत रविदास की जन्मभूमि से लाई गई पवित्र मिट्टी और जल का कलश देशभर के मठों, मंदिरों और आस्था केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है।

संत रविदास का जीवन सर्वसमाज को जोड़ने की प्रेरणा : गुरु खुशवंत साहेब

कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास ने छोटे-बड़े के भेद को समाप्त कर समानता और सामाजिक एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार संत रविदास के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कलश वंदन अभियान गांव-गांव तक जाकर सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करेगा।

समरसता ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति : अजय जामवाल

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजय जमवाल ने कहा कि संत रविदास का समरसता का संदेश आज पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि समाज को जाति, धर्म और भेदभाव के आधार पर विभाजित करने वाली शक्तियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। संतों की शिक्षाओं को व्यवहार में उतारकर ही सामाजिक एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को मजबूत किया जा सकता है।

संत रविदास के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक : सरोज पाण्डेय

इस अवसर पर सुश्री सरोज पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने धर्मांतरण के दबाव का दृढ़ता से विरोध करते हुए सनातन परंपरा, समानता, श्रम और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत रविदास का संदेश जन-जन तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

कलश वंदन अभियान सामाजिक समरसता का जनआंदोलन बनेगा

मुख्यमंत्री साय ने डॉ. सनम जांगड़े के नेतृत्व में सीर गोवर्धनपुर से पवित्र कलश लेकर आए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की सराहना करते हुए कहा कि उनका यह प्रयास संत रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी जिलों से आए प्रतिनिधियों को पवित्र कलश सौंपे तथा गांव-गांव तक इन्हें पहुंचाने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह अभियान संत रविदास के समरसता, समानता और सामाजिक एकता के संदेश को प्रत्येक गांव, प्रत्येक समाज और प्रत्येक घर तक पहुंचाएगा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संत रविदास के सम्मान में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में अगले वर्ष 2027 में उनकी जयंती (माघी पूर्णिमा) को प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

इस दिन प्रदेशभर में मांस एवं मदिरा का विक्रय पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर प्रदान किए जाने वाले राज्य अलंकरण पुरस्कारों में संत शिरोमणि गुरु रविदास के नाम से एक राज्य अलंकरण पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। साथ ही नवा रायपुर के एक प्रमुख चौक का नामकरण भी संत गुरु रविदास के नाम पर किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में संत रविदास के प्रसिद्ध संदेश - ऐसा चाहूं राज मैं, जहाँ मिले सबन को अन्न। छोट-बड़ो सब सम बसैं, रविदास रहैं प्रसन्न।। - का अंकन कराने के लिए विधानसभा अध्यक्ष से चर्चा कर प्रयास किया जाएगा। जब-जब समाज में अन्याय बढ़ा, तब-तब संतों और महापुरुषों ने नई दिशा दी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि भारत संतों, ऋषियों और महापुरुषों की पावन भूमि है। जब-जब समाज में अन्याय, अत्याचार, ऊंच-नीच, छुआछूत और भेदभाव जैसी विकृतियां बढ़ीं, तब-तब संतों और महापुरुषों ने समाज को नई दिशा प्रदान की। संत रविदास ने अपने जीवन और उपदेशों के माध्यम से सामाजिक समरसता, समानता और भक्ति का ऐसा संदेश दिया, जिसने समाज को नई चेतना प्रदान की। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने तत्कालीन शासक सिकंदर लोदी के धर्मांतरण के दबाव का भी साहसपूर्वक विरोध किया और यह संदेश दिया कि सभी मनुष्य समान हैं तथा ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग केवल सच्ची भक्ति और सदाचार है। उनका प्रसिद्ध संदेश मन चंगा तो कठौती में गंगा आज भी समाज को आंतरिक शुद्धता और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाता है। मुख्यमंत्री ने संत रविदास से जुड़ा प्रसंग भी साझा किया और कहा कि उनकी अटूट भक्ति और तपस्या के प्रभाव से कठौती में गंगा प्रकट होने की घटना केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि यह संदेश है कि सच्ची श्रद्धा और निर्मल मन से ईश्वर की प्राप्ति संभव है।

बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, संत समाज एवं श्रद्धालु रहे उपस्थित

कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक अनुज शर्मा, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक इंद्र कुमार साहू, विधायक संपत अग्रवाल, विधायक रोहित साहू, छत्तीसगढ़ चर्म शिल्पकार बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा, गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजीव लोचन महाराज, महंत खेलुराम पैगवार, संत युधिष्ठिर लाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

खेल अधोसंरचना की मजबूती और खेलों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ का प्रावधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों, गतिविधियों, उपलब्धियों तथा आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस-कॉन्फ्रेंस में बताया कि छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने, खेल अधोसंरचना की मजबूती, महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने तथा खेल प्रतिभाओं की पहचान के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

वहीं छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत 57 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा गया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार और उप संचालक रश्मि ठाकुर भी प्रेस-कॉन्फ्रेंस में मौजूद थीं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में बताया कि राज्य में हॉकी लीग के आयोजन की तैयारी चल रही है। राज्य के खेल अकादमियों में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मुहैया कराने 14 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए पटियाला भेजा गया है। उन्होंने बताया कि खेल गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए राज्य शासन ने 6 नए जिलों गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़-चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और सक्ती में खेल अधिकारी के पदों का सृजन किया गया है। विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 44 प्रशिक्षकों, 4 जिला खेल अधिकारियों, 23 सहायक ग्रेड-3 और 8 वार्डन्स की भर्ती प्रक्रियाधीन है।

श्री साव ने बताया कि राज्य में ज्यादा से ज्यादा बच्चे एवं युवा खेल के मैदानों में पहुंचे, इसके लिए सरकार सक्रियता और गंभीरता से काम कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के समय केवल 4 करोड़ रुपए के बजट वाले खेल एवं युवा कल्याण विभाग का बजट चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में 304 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

दूरस्थ आदिवासी वनांचलों को खेल की मुख्य धारा से जोड़ने की अभिनव पहल करते हुए पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक के आयोजन के साथ ही इस साल से सरगुजा ओलंपिक भी राज्य में शुरु किया गया है। देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शानदार मेजबानी ने छत्तीसगढ़ को देश के खेल मानचित्र में प्रतिष्ठित किया है।

स्वास्थ्य अधोसंरचना को मिलेगी नई गति

स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग सचिव की उपस्थिति में मंत्रालय में हुई अहम बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में स्वास्थ्य अधोसंरचना को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सचिव एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव के साथ विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इनमें ट्रॉमा सेंटर, क्रिटिकल केयर यूनिट, नवीन सिकल सेल इंस्टीट्यूट, बॉयज एवं गर्ल्स हॉस्टल तथा स्टाफ रेजिडेंशियल बिल्डिंग जैसे महत्वपूर्ण निर्माण शामिल हैं। ये सभी परियोजनाएं प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। बैठक में आगामी कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई, ताकि परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके।

इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के स्पष्ट निर्देश दिए गए, जिससे आमजन को स्वास्थ्य सुविधाओं का बेहतर लाभ शीघ्र मिल सके।

भोरमदेव सरस मेला में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम का पालन करने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पवित्र श्रावण माह में कबीरधाम जिले में आयोजित होने वाले प्रसिद्ध भोरमदेव सरस मेला एवं सावन में इस वर्ष लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। मेले की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के पालन की अपील सभी दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं से की है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव धाम हमारी आस्था, संस्कृति और प्रकृति की अमूल्य धरोहर है। सरस मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस पवित्र स्थल को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त रखने में अपना सहयोग दे। सभी के सहयोग से इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता बनी रहेगी तथा हमारा भविष्य भी प्रदूषण मुक्त होगा।

उप मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि हमारा प्रयास हो कि यह संभागीय सरस मेला तथा पूरा भोरमदेव परिसर प्लास्टिक मुक्त हो। प्लास्टिक के स्थान पर वैकल्पिक रूप से कपड़े की अथवा जूट के बैक का इस्तेमाल किया जाए जो प्रकृति के अनुकूल हो। सभी दुकानदार एवं शिविर संचालक गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग रखने का प्रयास करें। कचरा केवल निर्धारित कचरा गाड़ी एवं कचरा पात्र में ही डालें। सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया की वे घर से कपड़े का थैला, पानी की बोतल साथ लेकर आएं और खुले में कचरा न फेंकें।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उपस्थित ग्रामीणों, स्व-सहायता समूह की दीदियों, मितानिन बहनों एवं स्वच्छाग्रहियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के पालन हेतु स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

शपथ में सभी ने कचरा अलग-अलग करने, प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं अपने गांव तथा भोरमदेव धाम को स्वच्छ बनाये रखने का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने कबीरधाम जिला को प्लास्टिक मुक्त बनाने की शपथ लेकर अपने जान पहचान वालों पड़ोस के लोगों एवं गांव के अन्य लोगों को इस कार्य के लिए जागरूक करने की बात कही।

सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, फसल विविधिकरण और आधुनिक तकनीक से खेती बनेगी अधिक लाभकारी - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेती केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन का आधार है। छत्तीसगढ़ सरकार कृषि और किसानों की समृद्धि को प्राथमिकता देते हुए खेती को अधिक लाभकारी, आधुनिक और टिकाऊ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, फसल विविधिकरण, आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग, कृषि यंत्रीकरण तथा कृषि आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित 'किसान और किसानी-प्रोत्साहन तथा परिणाम' विषयक संवाद कार्यक्रम में यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों से आए प्रगतिशील किसानों को उत्कृष्ट खेती, नवाचार और कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों, जनप्रतिनिधियों, उद्योग जगत तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उनका जीवन स्वयं खेती-किसानी से जुड़ा रहा है। किसान परिवार में जन्म लेने के कारण उन्होंने बचपन से खेतों में काम किया और खेती की कठिनाइयों तथा किसानों की आवश्यकताओं को निकट से देखा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान भी वे नियमित रूप से अपने गांव और खेत की जानकारी लेते थे तथा गांव पहुंचने पर खेत अवश्य जाते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। पहले किसान पूंजी के अभाव में साहूकारों या कर्ज पर निर्भर रहते थे, जबकि आज किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्हें समय पर ऋण उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजना प्रारंभ किए जाने को किसानों के लिए ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि आज किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर केसीसी ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे खेती करना पहले की तुलना में अधिक सहज हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबसे पहले किसानों से किए गए वादों को पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल है जहां किसानों को धान का सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ तक धान की खरीदी कर रही है। इसके साथ ही पूर्व में लंबित दो वर्ष के बोनस का भी भुगतान किसानों को किया गया।

उन्होंने बताया कि पिछले खरीफ विपणन सीजन में राज्य के लगभग 25 लाख किसानों से 141 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी की गई, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य किसानों की आय दोगुनी करना है और राज्य सरकार उसी दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाना, उत्पादन लागत कम करना तथा खेती के लिए आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध कराना है ताकि खेती लाभ का व्यवसाय बन सके।

उन्होंने कहा कि केवल धान आधारित खेती पर निर्भर रहने के बजाय किसानों को विविध फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से कृषक उन्नति योजना में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950